संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 29 नवंबर 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 319 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. कृष्णमूर्ति से अपना नया मतदाता पहचान पत्र प्राप्त किया।

फास्ट न्यूज

## बंगलूरू से केरल जा रही बस में लगी आग

**नई दिल्ली :** केरल के ग्रामीण कोल्लम जिले के पूयापल्ली में ट्यूशन जा रही छह वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया गया। यह घटना सोमवार की शाम की है, जब बच्ची अपने भाई के साथ ट्यूशन जा रही थी। पुलिस ने बच्ची की तलाशी शुरू कर दी है। इस घटना के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने पूयापल्ली पुलिस स्टेशन के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि, बच्ची की मां को अपहरणकर्ता ने फोन कॉल कर फिरौती की मांग की है। लड़की की मां ने बताया कि उनसे फिरौती के तौर पर पांच लाख रुपये की मांग की गई है। पुलिस ने इस मामले की जांच के तहत तिरुवनंतपुरम में एक कार वॉश सेंटर में तलाशी ली। हालांकि, बच्ची कोल्लम शहर के आश्रमम ग्राउंड में मिली। मंगलूरू में सोमवार को बाइक पर जा रहे दो अलग-अलग समुदाय के एक पुरुष और एक महिला को रोककर उनसे पूछताछ करने के आरोप में दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान अक्षय राव और शिबिन पडिक्कल के तौर पर की गई है। दोनों पीड़ित एक ही दफ्तर में काम करते हैं और मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी दोनों पीड़ित को बाइक से पीछा कर रहा था। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है।

## सियाहा जिले में फिर घुसे म्यांमार सेना के 30 जवान

**आइजोल :** म्यांमार में जारी तनाव के बीच मंगलवार को एक बार फिर म्यांमार सेना के 30 जवान भारी हथियारों के साथ मिजोरम में भारतीय सीमा में घुस आए। जिसके बाद मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा में तैनात असम राइफल्स के जवानों ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। असम राइफल्स के जवानों द्वारा इन जवानों को आगे की कार्रवाई के लिए सीओबी तुअपांग, सियाहा ले जाया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा के उस पार जारी तनाव के बीच मंगलवार को सुबह करीब आठ बजे, म्यांमार सेना (एमए पर्स) के 30 जवान भारी हथियारों के साथ मिजोरम के सियाहा जिले में प्रवेश कर गए। इसके बाद सीओबी लाकी, सियाहा में तैनात असम राइफल्स के जवानों ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

# ...और जीत गई जिंदगी

## = सुरंग से सुरक्षित बाहर आए 41 मजदूर, एक-एक लाख की आर्थिक सहायता देगी सरकार

**सलाह**

8 रेस्क्यू के बाद मजदूरों को लेकर एम्बुलेंस जब अस्पताल जाए तो ट्रैफिक में न फंसे।

**टीम एक्शन इंडिया/उत्तरकाशी**
दिवाली पर जब पूरा देश रोशनी में नहाया हुआ था, तब 41 मजदूर एक अंधेरी सुरंग में कैद हो गए। ये मजदूर चार धाम के लिए नया रास्ता बना रहे थे। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और सभी मजदूर बाहरी दुनिया से कट गए। रेस्क्यू एजेंसियों ने मजदूरों को बचाने की कवायद शुरू की। एक प्लान फेल हुआ, तो दूसरे पर काम शुरू हुआ। कभी सुरंग के मुहाने से तो कभी पहाड़ के ऊपर से खुदाई करके मजदूरों को निकालने की कोशिश की जाती रही। 12 नवंबर की सुबह 5.30 से 28 नवंबर की शाम 8.35 बजे तक यानी 17 दिन, करीब 399 घंटे बाद पहला मजदूर शाम 7.50 बजे बाहर निकाला गया। 45 मिनट बाद रात 8.35 बजे सभी को बाहर निकाल लिया गया। सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। रेस्क्यू टीम के सदस्य हरपाल सिंह ने बताया कि शाम 7 बजकर 5 मिनट पर पहला ब्रेक थ्रू मिला था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीके सिंह भी थे।

**सीएम धामी ने कहा-** सभी मजदूरों को उत्तराखंड सरकार की ओर से कल एक-एक लाख रुपए की मदद दी जाएगी। उन्हें एक महीने का सवेतन अवकाश भी दिया जाएगा, जिससे वह अपने परिवार वालों से मिल सकें।

**सब मजदूर स्वस्थ्य:** रेट स्नेपर्स वाली कंपनी नवयुग के मैन्युअल ड्रिलर नसीम ने कहा- सभी मजदूर स्वस्थ्य हैं। मैंने उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने बताया कि जब आखिरी पत्थर हटाया गया तो सभी मजदूरों ने जयकारे लगाए।

**21 घंटे में की 12 मीटर खुदाई:** इससे पहले, सिल्क्यारा साइड से हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग में लगे रैट माइनर्स, हादसे के 17वें दिन दोपहर 1.20 बजे खुदाई पूरी कर पाइप से बाहर आ गए। उन्होंने करीब 21 घंटे में 12 मीटर की मैन्युअल ड्रिलिंग की। 24 नवंबर को मजदूरों की लोकेशन से महज 12 मीटर पहले ऑगर मशीन टूट गई थी। जिससे रेस्क्यू रोकना पड़ा था।

इसके बाद सेना और रैट माइनर्स को बाकी के ड्रिलिंग के लिए बुलाया गया था। मंगलवार सुबह 11 बजे मजदूरों के परिजन के चेहरों पर तब खुशी दिखी, जब अफसरों ने उनसे कहा कि उनके कपड़े और बैग तैयार रखिए। जल्द ही अच्छी खबर आने वाली है।

### 'वॉर रूम' ने ऑगर से लेकर रैट माइनर्स को दी थी झटपट मंजूरी

**उत्तरकाशी** की सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए केंद्र सरकार में एक ऐसा 'वॉर रूम' तैयार किया गया था, जिसने 408 घंटे तक लगातार काम किया है। सरकारी महकमों को लेकर वह सोच, यहां तो किसी भी योजना से जुड़ी फाइलें, कछुआ गति से आगे बढ़ती हैं, सिल्क्यारा सुरंग के मामले में बदल गई। केंद्र और राज्य सरकार को मिलाकर 21 से अधिक एजेंसियां, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रहीं। ये सभी एजेंसियां, प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ मिलकर त्वरित गति से जरूरी निर्णय लेती रहीं। बात चाहे अमेरिकी ड्रिल मशीन 'ऑगर' को सुरंग में उतारने की हो या विपरित परिस्थितियों में खुदाई के लिए 'रैट माइनर्स' की मदद लेना, ऐसे किसी भी मामले को हरी झंडी, महज साठ मिनट से भी कम समय में दे दी जाती थी। खास बात ये रही कि इन एजेंसियों के बीच में जो तालमेल रहा, वह एक उदाहरण बन गया है।

# खुफिया डील में पाक को मिले चीनी ड्रोन

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
पाकिस्तान को चीन से भारी मात्रा में ड्रोन हासिल हुए हैं। इन्हीं ड्रोन के जरिए पड़ोसी मुल्क, पंजाब में रोजाना ही ड्रग्स व हथियार भेज रहा है। सीमा पार पाकिस्तानी इंटेलिजेंस एजेंसी 'आईएसआई' द्वारा ड्रोन भेजने के लिए वहां के आतंकी संगठनों एवं तस्करों को तकनीकी मदद दी जाती है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी के उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है, पाकिस्तान और चीन का यह खेल तो अब सभी के सामने है। इसमें कहीं कोई शक नहीं है। पाकिस्तान को चीन से ड्रोन की बड़ी खेप हासिल हुई है। हालांकि इन ड्रोन की खरीद का कोई 'वित्तीय आधार' नजर नहीं आता। संभव है कि दोनों मुल्कों के बीच किसी अन्य समझौते की बदौलत ये ड्रोन, पाकिस्तान में पहुंचे हैं। कुछ महीने पहले तक सप्ताह में पाकिस्तान की तरफ से पंजाब में दो चार ड्रोन आते थे, अब पिछले कुछ समय से लगातार ड्रोन आ रहे हैं। कई बार तो एक ही दिन में कई ड्रोन छोड़े जा रहे हैं। बीएसएफ द्वारा मार गिराए गए अधिकांश ड्रोन, क्वैडकॉप्टर (मॉडल डीजेआई मैविक 3 क्लासिक, मेड इन चाइना) और क्वैडकॉप्टर (मॉडल डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके, मेड इन चाइना) सीरिज के होते हैं। हालांकि पाकिस्तान को अभी तक चीन से '3600' ड्रोन को एक साथ कंट्रोल करने का फॉमूर्ला नहीं मिल सका है।

### ड्रोन गिराने के लिए कई राउंड फायर

**पाकिस्तान** से आने वाले चीन निर्मित ड्रोन के सिस्टम में कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। बीएसएफ से बचने के लिए ड्रोन की आवाज और उसकी लाइट को बंद कर दिया जाता है। पंजाब से लगते भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर जब घना कोहरा छा जाता है, तब दर्जनों ड्रोन भेजने की कोशिश रहती है। ड्रोन की ऊंचाई ज्यादा होने, कम आवाज और ब्लिंकर बंद होने की वजह से बीएसएफ को ड्रोन गिराने में कई राउंड फायर करने पड़ते हैं। मौजूदा समय में ड्रोन को जवानों के फायर से बचाने के लिए उसकी

**सालाना 15 करोड़ रुपये खर्च करता है पड़ोसी :** सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान से पंजाब में आने वाले अनेक ड्रोन पहले असेंबल भी किए जाते रहे हैं। पाकिस्तान को चीन से सस्ती दरों पर ड्रोन के पुर्जे मिल जाते हैं। इन्हें पाकिस्तान में जोड़ कर ड्रोन तैयार किया जाता है।

# मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके सरकार में मंत्री रहे सेंथिल बालाजी को एक बार फिर झटका लगा है। हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है, शीर्ष अदालत मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर बालाजी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने करीब एक महीने पहले, बीते 19 अक्तूबर को

बालाजी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय का मानना है कि जमानत मिलने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। जमानत की अपील पर संक्षिप्त सुनवाई के दौरान 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने बालाजी के वकील को नवीनतम मेडिकल रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। साथ ही सुनवाई के लिए आज यानी 28 नवंबर की तारीख तय की थी। तमिलनाडु वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील पर न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ में सुनवाई हुई। पीठ ने स्वास्थ्य रिपोर्ट पर गौर करने के बाद कहा कि बालाजी का स्वास्थ्य ठीक है, कुछ गंभीर नहीं है।

## सदन में विकास, जनहित के मुद्दों पर चर्चा हो

**लखनऊ: बहुजन** समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीत सत्र मंगलवार से शुरू हुआ। सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि सत्र राज्य के समेकित व समग्र विकास एवं जनहित के मुद्दों पर सार्थक चचाओं व अन्य जरूरी जिम्मेदारियों के निर्वहन के कारण प्रदेश हित में साबित होगा या फिर अन्य कारणों से औपचारिकता मात्र होकर ही रह जाएगा? सरकार व विपक्ष इस पर अवश्य ध्यान दें। देश की सर्वाधिक लगभग 25 करोड़ जनसंख्या वाला गरीब व पिछड़ा प्रदेश होने के नाते यूपी के समतामूलक विकास व प्रगति को लेकर केन्द्र व यूपी सरकार की विशेष जिम्मेदारियां हैं।

# दिल्ली में हटाई गईं ग्रेप-3 की पाबंदियां, हवा की गुणवत्ता में सुधार के बाद फैसला

**फैसला**

8 दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में 100 अंकों की कमी दर्ज की गई है।

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
सोमवार और मंगलवार को हुई बारिश ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से लोगों को बड़ी राहत दिलाई है।
बारिश के बाद हवा की गुणवत्ता में बड़ा सुधार देखने को मिला। महज 10 घंटे के भीतर दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में 100 अंकों की कमी दर्ज की गई है।
प्रदूषण के स्तर में गिरावट और हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार होने के बाद हवा गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेप तीन की पाबंदियां हटा दी है।
मौसम विभाग के अनुसार इस वर्षा के बाद दिल्ली में बुधवार से ठंड बढ़ेगी और तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे आ सकता है।

# पांच अफसरों को ईडी के भेजे गए समन पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

**टीम एक्शन इंडिया/चेन्नई**
मद्रास हाई कोर्ट ने मंगलवार को पांच कलेक्टरों के अवैध रेत खनन मामले में जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी किए गए समन की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस एसएस सुंदर और सुंदर मोहन की खंडपीठ ने राज्य लोक विभाग सचिव के. नंथाकुमार द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम रोक लगा दी है। पीठ ने कहा, 'अवैध रेत खनन मामले में ईडी अपनी जांच आगे बढ़ा सकती है।' तमिलनाडु सरकार और पांच जिला कलेक्टरों ने अवैध रेत खनन की जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी किए गए समन को चुनौती दी थी। सरकारी विभाग के शीर्ष अधिकारी ने अरियालूर, वेलोर, तंजावुर, करूर और तिरुचिरापल्ली के कलेक्टरों की ओर से याचिका दायर की थी।

# कीव: युद्ध के बीच प्रकृति की मार झेल रहा यूक्रेन

**टीम एक्शन इंडिया/कीव**
रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन पर एक और पहाड़ टूट पड़ा है। दरअसल, दक्षिणी क्षेत्र ओडेसा बर्फीले तूफान और बारिश की चपेट में आ गया है, जिसमें लगभग 10 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, दो बच्चों समेत 23 अन्य घायल हो गए।

**2 हजार से अधिक लोगों की मदद :** कीव इंडिपेंडेंट ने यूक्रेन के आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि यूक्रेन के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक, ओडेसा ओब्लास्ट है, जहां पांच लोगों की

मौत हो गई और 15 घायल होने की सूचना मिली है। इस बीच, आपातकालीन सेवाओं ने ओब्लास्ट में 2,498 लोगों को सहायता प्रदान की, जिनमें 162 बच्चे भी शामिल हैं।

**मौसम की मार से कई लोग प्रभावित :** मंत्री के मुताबिक, मायकोलाइव ओब्लास्ट में दो लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, बाकी मृत पीड़ितों की सूचना कीव और खार्किव ओब्लास्ट में दी गई। रूसी अधिकारियों ने कहा कि 27 नवंबर को मौसम की स्थिति के कारण क्रीमिया में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

**राष्ट्रपति ने जताया आभार :** 26-27 नवंबर को भारी तूफान, हवा, बारिश और बर्फबारी ने यूक्रेन के अधिकांश हिस्से को प्रभावित किया है, जिससे बाढ़, इमारतों को नुकसान, बिजली कटौती और यातायात समस्याएं हुईं।

# भारतीय नौसेना की ताकत में होगा जबरदस्त इजाफा

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
सरकार लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत से दूसरे विमान वाहक पोत के निर्माण के भारतीय नौसेना के प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए तैयार है, यह एक बड़ा कदम है जो हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती घुसपैठ पर बढ़ती चिंताओं की पृष्ठभूमि में आया है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख संस्था, रक्षा खरीद बोर्ड (डीपीबी) ने महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे सरकार दूसरे स्वदेशी विमान वाहक के लिए तैयार होने का संकेत देती है, जिसे आईएसी द्वितीय के नाम से जाना जाएगा।

**बैठक** हैलीपोर्ट निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

# मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत आवंटित होंगे 100 करोड़ रुपये

**टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा**
**मुख्यमंत्री** ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिवस को प्रशासनिक सचिवों के साथ समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के कामकाज में प्रौद्योगिकी को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे आम आदमी की सुविधा के साथ-साथ पारदर्शिता और तत्परता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग से राज्य के लोगों की सुविधा के दृष्टिगत लम्बे समय से लम्बित राजस्व मामलों के निपटान में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि 1 एवं 2 दिसम्बर,2023 को

तहसील मुख्यालय स्तर पर राजस्व लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा तथा लम्बे समय से लम्बित इंतकाल व तकसीम के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। उन्होंने इन राजस्व मामलों के निपटारे में पारदर्शिता बरतने और निस्तारित मामलों की पूरी सूची, सम्बंधित व्यक्ति का नामए पता और संपर्क नंबर के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में इस सम्बंध में

**निर्देश**

8 बेसहारा पशुओं की समस्या पर चिंता व्यक्त की, कहा समन्वय से कार्य करें एसडीएम और वरिष्ठ पशु चिकित्सा।

प्रविष्टि की जाएगी और संबंधित अधिकारियों की पदोन्नति के दौरान कार्य प्रगति पर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 30 और 31 अक्तूबर को इंतकाल अदालत का आयोजन किया गया। इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आये और 31000 से अधिक इंतकाल मामलों का निपटारा किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी वित्त वर्ष से राजस्व अधिकारियों की एसीआर आनलाइन कर दी जायेगी। ठाकुर सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने हरित उद्योग से संबंधित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पर्यटन राजस्व सृजन का प्रमुख क्षेत्र है और राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही है।

# दो किलो सोने के साथ तस्कर गिरफ्तार, ट्रक के केबिन में छिपकर बांग्लादेश से आ रहा था भारत

**टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता**
भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने सोने की एक बड़ी तस्करी को नाकाम करते हुए 1,27 करोड़ रुपए के 2054.110 ग्राम वजन के विभिन्न आकार के 17 सोने के टुकड़ों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब तस्कर इन सोने के टुकड़ों को ट्रक के केबिन में छुपा कर बांग्लादेश से भारत लाने की कोशिश कर रहा था। जब्त सोने के टुकड़ों की अनुमानित कीमत 1,27,56,023 रुपए है। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान अब्दुल जोहाब मलिक जिला-उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। बीएसएफ के उच्चाधिकारियों ने इस उपलब्धि पर जवानों की सराहना की। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल सीमान्त के जनसंपर्क अधिकारी, डीआईजी एके आर्य ने बताया कि रविवार को दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत आईसीपी पेट्रापोल ( जिला उत्तर 24 परगना), 145वीं वाहिनी, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सोने की संभावित तस्करी की जानकारी मिली थी। इनपुट के आधार पर जवानों ने एक खाली ट्रक को रोका।

# रेस्क्यू आपरेशन : सुरंग के अंदर ड्रिलिंग और पाइप पुश करने का कार्य पूरा

**सिलक्यारा सुरंग**

8 -सुरंग में फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंची रेस्क्यू टीम, मुख्यमंत्री धामी भी पहुंचे सिलक्यारा सुरंग

**सिलक्यारा/टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग के अंदर पिछले 16 दिन से फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने का इंतजार आज खत्म होने जा रहा है। सुरंग के अंदर रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों, विशेषज्ञों और श्रमिकों ने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार सुरंग में ड्रिलिंग पूरी हो गई है। रेस्क्यू टीम श्रमिकों तक पहुंचने में कामयाब हो गई है। मुख्यमंत्री धामी ने भी ट्वीट कर यह जानकारी दी है। वे सिलक्यारा टनल पर पहुंच भी गए हैं। सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग में लगभग 57 मीटर तक पाइप पुश किए जाने थे और यह कार्य पूरा हो गया है। इस बीच एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों को भी सुरंग के अन्दर बुला लिया गया था और वह सुरंग में फंसे श्रमिकों तक पहुंच गयी हैं। यहां पर फोर्स बढ़ा दी गई है। एंबुलेंस, डॉक्टर और सुरक्षा भी मौके पर मौजूद हैं। इस रेस्क्यू आपरेशन में लगे सभी लोगों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आज श्रमिकों का सुरंग से बाहर निकलना लगभग तय है।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी फिर पहुंचे सिलक्यारा निमार्णाधीन टनल के रेस्क्यू ऑपरेशन सफल होने पर उन्होंने पूरी टीम की पीठ थपथपाई है। उन्होंने बताया कि सभी श्रमिकों का स्वास्थ्य प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद अस्थाई चिकित्सालय स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया जाएगा।
इसके पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि सिलक्यारा टनल में ड्रिलिंग के बाद टनल में पाइप डालने का कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही सभी श्रमिक भाइयों को सुरंग के अंदर से बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाबा बौख नाग जी की असीम कृपा और करोड़ों देशवासियों की प्रार्थना रंग लायी है।

## सिलक्यारा आपरेशनः टनल के अंदर एक अस्थायी अस्पताल बनाया गया

**सिलक्शरा/टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा निर्माणधीन सुरंग में रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत टनल के अंदर ही टनल के अंदर एक अस्थायी अस्पताल बनाया गया है, जहां पर पहले श्रमिकों का प्राथमिक उपचार-परीक्षण होगा।
इसके बाद उन्हें बाहर लाया जाएगा।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह, प्रमुख सचिव, डीएम सहित तमाम अधिकारी और कंपनी के लोग फंसे हुए मजदूरों से जानकारियां ले रहे हैं कि सुरंग में कितने लोग हैं, कोई मिसिंग तो नहीं आदि-आदि। सबको निकालने के बाद ही एक-एक कर श्रमिकों को बाहर लाया जायेगा और चिन्यालीसौंड भेजा जायेगा। अभी श्रमिकों को बाहर निकालने का काम टनल में चल रहा है। पीएमओ को भी पल पल की जानकारियां दी जा रही।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग के अंदर पिछले 16 दिन से फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने का इंतजार आज खत्म होने जा रहा है। सुरंग के अंदर रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों, विशेषज्ञों और श्रमिकों ने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार सुरंग में ड्रिलिंग पूरी हो गई है। रेस्क्यू टीम श्रमिकों तक पहुंचने में कामयाब हो गई है। मुख्यमंत्री धामी ने भी ट्वीट कर यह जानकारी दी है। सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग में लगभग 57 मीटर तक पाइप पुश किए जाने थे और यह कार्य पूरा हो गया है। इस बीच एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों को भी सुरंग के अन्दर बुला लिया गया था और वह सुरंग में फंसे श्रमिकों तक पहुंच गयी हैं। यहां पर फोर्स बढ़ा दी गई है। एंबुलेंस, डॉक्टर और सुरक्षा भी मौके पर मौजूद हैं। इस रेस्क्यू आपरेशन में लगे सभी लोगों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आज श्रमिकों का सुरंग से बाहर निकलना लगभग तय है।

# इंडियन ऑयल ने गोद लिए 501 क्षय रोगी

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
इंडियन ऑयल कापोर्रेशन के उत्तरी क्षेत्र पाइप लाइन प्रभाग जनपद हरिद्वार के 501 क्षय मरीजों को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत अनुपूरक पोषण के लिए गोद लिया गया है।

इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंढौरा मेक इट वितरण कार्यक्रम के दौरान लंढौरा स्टेशन इंचार्ज कमलेश राय ने कहा कि इंडियन ऑयल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केटी बी मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए वचनबद्ध है। पूर्व में भी जनपद हरिद्वार के 304 टी बी मरीजों को इंडियन ऑयल द्वारा गोद लिया गया था, जिसमें से 91 प्रतिशत मरीजों को टी बी मुक्त किया गया।
कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी हरिद्वार डॉक्टर आरके सिंह ने कहा कि इंडियन ऑयल द्वारा क्षय मरीजों को गोद लिया जाना सराहनीय कदम है व अन्य कॉरपोरेट को भी इसी क्रम में आगे आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टी बी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में मदद करनी चाहिए।
इंडियन ऑयल से आशीष वर्मा ने बताया कि पूर्व में भी इंडियन ऑयल द्वारा दी गई पोषण किट ने मरीजों को टी.बी. रोग को हराने में बहुत सहायता प्रदान की है।
इंडियन ऑयल द्वारा दोबारा मरीज को गोद लिए जाने की सराहना की।
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंढौरा डॉ विक्रांत सिरोही द्वारा बताया गया कि इंडियन ऑयल के क्षय रोगियों को गोद लेने के कदम को देखते हुए अन्य कॉपोर्रेट द्वारा भी क्षय रोगियों को गोद लिया जा रहा है, वह विभाग को मरीजों को क्षय रोग मुक्त करने में अत्यंत सहायता मिल रही है।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार डॉ. मनीष दत्त द्वारा इंडियन ऑयल कापोर्रेशन के टीवी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सहायता के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

# बदरी-केदारनाथ धाम में सुरक्षा की समुचित व्यवस्था : अजेंद्र अजय

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। दोनों धामों में पीएसी और नागरिक पुलिस के अलावा बीकेटीसी के कार्मिक तैनात हैं। धामों में आईटीबीपी की तैनाती के लिए शासन स्तर से प्रयास चल रहे हैं। केदारनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीडिया में प्रकाशित समाचार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम में कपाट बंद होने के पश्चात डेढ़ सेक्सन पीएसी (9 सुरक्षाकर्मी) और सिविल पुलिस के पांच जवान ड्यूटी पर तैनात हैं। इसके साथ ही बीकेटीसी के दो कार्मिकों को भी वहां तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ धाम में लगभग दो दर्जन से अधिक पीएसी और नागरिक पुलिस के जवान मंदिर की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। इसके अलावा बीकेटीसी के चार कार्मिक भी ड्यूटी पर तैनात हैं।
उन्होंने बताया कि गत वर्ष की भांति दोनों धामों में शीतकाल में भारत तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों की तैनाती के लिए शासन स्तर से प्रयास किए जा रहे हैं।

# ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ का आगाज

**गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया**
चमोली जिले देवाल में मंगलवार को ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता का शुभारंभ संगम मैदान में हुआ। अंडर 14 के बालिका वर्ग में साठ मीटर, छह सौ मीटर दौड़ में खुशी रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
खेल महाकुंभ प्रतियोगिता कि उद्घाटन करते हुए ब्लाक प्रमुख डॉ. दर्शन दानू ने कहा कि खेलों में भी भविष्य उज्ज्वल बनता है। सरकार की ओर से प्रतिभावान खिलाड़ियों को 15 सौ रुपए की छात्रवृत्ति दी जा रही है।
खेल महाकुंभ में बालक वर्ग के 60 मीटर दौड़ में अमित कुमार प्रथम, पंकज दानू द्वितीय, देवेन्द्र सिंह तृतीय रहे जबकि इसी प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में खुशी प्रथम, रूचि द्वितीय, पार्वती तृतीय रही, बालक वर्ग की 600 मीटर दौड़ में कमल कठैत पहले, अमित कुमार दूसरे, देवेन्द्र दानू, तीसरे, जबकि बालिका वर्ग में खुशी पहले, रुचि दूसरे, प्राची तीसरे स्थान पर रही, लम्बीकूद बालक में रोहित सिंह प्रथम, मनीष द्वितीय, कृष्णा तृतीय रहे, जबकि बालिका वर्ग में अंकिता प्रथम, पार्वती द्वितीय तथा गीता ने तृतीय स्थान हासिल किया है।
इस मौके पर बीडीओ भगवत सिंह राणा, युवा कल्याण अधिकारी सुबोध कुमार, प्रधान संघ अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, क्षेपंस पान सिंह, अध्यापक रघुवीर सिंह खत्री, राकेश परिहार, डिंपल तिवारी, प्रमोद तिवारी, राजेंद्र नेगी, प्रधान मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

# मंत्री प्रेम चंद ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन को शहरी क्षेत्रों के लिए किया रवाना

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन को मंगलवार को को देहरादून निगम से हरी झंडी दिखा कर शहरी क्षेत्रों लिए रवाना किया।
विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाने के बाद शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है।
उन्होंने बताया कि इस यात्रा में तमाम विभाग जो योजनाओं को संचालित कर रहे हैं वो अलग-अलग स्थानों पर कैंप लगाएंगे और जो लोग किसी कारण से योजनाओं के लाभ से वंचित रहे हैं, उन्हें उसका लाभ देंगे। केन्द्र सरकार जनजातीय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकसित भारत यात्रा का आयोजन कर रही है। विकसित भारत यात्रा के दौरान लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलवाई जाएगी, ताकि इस उदेश्य में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस दौरान मौजूद लोगों को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का विकसित भारत को लेकर संबोधन भी सुनाया जायेगा।
मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा देहरादून के हरावाला पहुंची, जहाँ उसका स्वागत डोईवाला विधायक ब्रिज भूषण गैरोला ने किया इस दौरान उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श मोदी का उद्देश्य है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने और उसके लिए आम जन की भागीदारी महत्वपूर्ण है।
विधायक गैरोला ने कहा कि "सबका साथ , सबका विकास और सबका विश्वास" के मन्त्र से ही 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। हरावाला के बाद यात्रा रथ नेहरू ग्राम रवाना हुआ।

# मुख्यमंत्री करेंगे विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास 30 को

**बैठक**

8 जनपद की विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रम की तैयारियों आदि के सम्बन्ध में एक बैठक हुई

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री 30 नवम्बर को किये जाने वाले जनपद की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों आदि के सम्बन्ध में एक बैठक हुई।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों आदि के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा आगामी 30 नवम्बर को जनपद नैनीताल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों की योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ ही जनपद हरिद्वार के 12 विभागों की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से किया जायेग। जनपद में भौतिक रूप से इन योजनाओं का लोकापर्ण व शिलान्यास सांसद, प्रभारी मंत्री द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज ऋषिकुल के परिसर में किया जायेगा।
जिलाधिकारी ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के स्वरूप को भव्य रूप प्रदान किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यक्रम के दौरान बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किये जाने के साथ ही प्रमुख विभागों के स्टॉल भी लगाये जायें। इसके अतिरिक्त इस मौके पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि शिलान्यास व लोकार्पण से सम्बन्धित जो भी कार्य हैं, उन्हें द्रुत गति से सम्पन्न करें।
इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस दीपक सेठ, पीडी केएन तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष दत्त, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, मुख्य उद्यान अधिकारी ओम प्रकाश सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश शर्मा, जीएमडीआईसी श्रीमती पल्लवी गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड रुड़की पीएस नौटियाल सहित सम्बन्धित

# स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज से संतों ने की भेंट वार्ता

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
लंदन स्थित इंटरनेशनल सिद्धाश्रम के फाउंडर स्वामी राजराजेश्वर गुरु, पुरुषार्थ आश्रम के अध्यक्ष महामनीषी निरंजन स्वामी ने कनखल स्थित हरिहर आश्रम पहुंचकर जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज से भेंट वार्ता कर धर्म एवं संस्कृति के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने उन्हें रुद्राक्ष की माला और पुस्तक भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया।
भेंट वार्ता के दौरान महामनीषी निरंजन स्वामी महाराज ने कहा कि हरिद्वार के संतों ने भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर जिस प्रकार संजोया, वह सराहनीय है। आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज अपने ज्ञान और विद्वत्ता के माध्यम से विश्व भर में धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण संवर्धन में अपना अनुकरणीय योगदान प्रदान कर रहे हैं जो युवा संतों के लिए प्रेरणादायी है। संत समाज अनादि काल से भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में अपनी सहभागिता निभाता चला रहा है। हम सभी को देश को एकता के सूत्र में बांधने के लिए अपना सहयोग सुनिश्चित करना चाहिए।
इंटरनेशनल सिद्धाश्रम के फाउंडर स्वामी राजराजेश्वर गुरु महाराज ने कहा कि वर्तमान में भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर विदेशी लोग भी भारतीय सभ्यता को अपना रहे हैं। जिसमें संत समाज का अहम योगदान है। आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज संत समाज के गौरव हैं। जो भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर राष्ट्र को उन्नति की ओर अग्रसर करने में निरंतर प्रयासरत है। संत समाज उनकी दीघार्यु की कामना करता है।

# एक किलो से अधिक अवैध चरस के साथ एक गिरफ्तार

**गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया**
चमोली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस ने अवैध चरस का धंधा करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार कर उससे एक किलो तीस ग्राम अवैध चरस बरामद की है।
पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यावद ने बताया कि अवैध नशे के खिलाफ चमोली पुलिस लगातार मुहिम चलाये हुए है। उन्होंने कहा कि सोमवार की रात्रि को थराली थाना पुलिस की ओर से मुखबिर की सूचना पर वाहनों की चैकिंग के दौरान रतगांव निवासी 20 वर्षीय बलबंत राम उर्फ राघव उर्फ बिल्लू को एक किलो तीस ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है।
मामले में बलबंत राम उर्फ राघव उर्फ बिल्लू पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।
उन्होंने कहा कि नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस अ हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है, युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृति को चिंता का विषय मानते हुये उनकी ओर से जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों, एसओजी को कठोर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।
पुलिस अधीक्षक की ओर से पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए ढाई हजार रुपये इनाम की घोषणा की गयी है। इस वर्ष माह जनवरी से अभी तक एनडीपीएस एक्ट तहत 15 अभियोग पंजीकृत किये गए हैं।
पुलिस टीम में थानाध्यक्ष थराली उप निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पन्त, उप निरीक्षक विनोद रावत, भगवान सिंह, हेड कास्टेबल दिगम्बर सिंह रावत, सिपाही राजेश कुमार, कृष्णा भंडारी, होमगार्ड सचिन, मनमोहन आदि शामिल थे।

**मुहिम**

8 पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यावद ने बताया कि अवैध नशे के खिलाफ चमोली पुलिस लगातार मुहिम चलाये हुए है।

# रक्षा मंत्री से की एनसीसी और सीएसडी कैंटीन की मांग

**बैठक**

8 जनपद की विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रम की तैयारियों आदि के सम्बन्ध में एक बैठक हुई

**नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया**
घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात कर विधानसभा के राजकीय इंटर कालेजों में एनसीसी शुरू करवाने और घनसाली क्षेत्र में सैनिकों की बाहुल्यता को देखते हुए यूआरसी एक्सटेंशन काउंटर और मोबाइल सीएसडी कैंटीन खुलवाने की मांग की है।
घनसाली के विधायक शक्ति लाल दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करते हुए उन्हें विधानसभा घनसाली की समस्याओं से अवगत कराते हुए यहां के इंटर कालेजों में एनसीसी शुरू करवाने की मांग करते हुए बताया कि घनसाली व भिलंगना क्षेत्र सैनिक बाहुल्य क्षेत्र हैं। सैनिकों के पुत्र-पुत्रियों सेना की सेवा में जाने में अच्छी रूचि रखते हैं, लेकिन विद्यालयों में एनसीसी न होने से अवसर मिलने में दिक्कतें होती हैं। इसलिए विधानसभा घनसाली के विद्यालयों में एनसीसी शुरू करवाई जाये।
सैनिकों के लिए विधायक शाह ने घनसाली विधानसभा में यूआरसी एक्सटेंशन काउंडर व मोबाइल सीएसडी कैंटीन खुलवाने की मांग करते हुए सौंपे पत्र के माध्यम से बताया कि घनसाली व भिलंगना क्षेत्र में 1400 पूर्व सैनिक व 700 सैनिक कार्यरत हैं। साथ ही यह सैनिक बहुत सारे सीमांत गांवों से ताल्लुक रखते हैं। सीएसडी कैंटीन 120 किमी दूर नई टिहरी शहर में है। यहां आने-जाने में आवाजाही की परेशानी के चलते दो दिन का समय लगता है, जिससे विधानसभा घनसाली के सैकड़ों सैनिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।
सैनिक व उनके परिवार सीएसडी कैंटीन का लाभ नहीं ले पाते हैं। नई टिहरी की सीएसडी कैंटीन का संचालन 9 माउंटने बिग्रेड जोशीमठ चमोली के तहत नरेंद्र नगर यूनिट करती है। इसलिए सैनिकों की परेशानियों को देखते हुए ब्लाक भिलंगना के घनसाली में यूआरसी एक्सटेंशन काउंटर व मोबाइल सीएसडी कैंटीन खुलवाई जाये। ताकि सैनिकों व उनके परिजनों को सीएसडी कैंटीन का सही तरीके से लाभ मिल सके।

## पत्नी के साथ मारपीट करने वाले गिरफ्तार

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
श्यामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नौरंगाबाद गैण्डीखाता में अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोपित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।
बीती 27 नवम्बर को ग्राम नौरंगाबाद गैण्डीखाता में अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ था। विडियो का संज्ञान लेते हुए थाना श्यामपुर से पुलिस को तुरन्त ग्राम नौरंगाबाद गैण्डीखाता भेजा गया। जहां मनोज सैनी अपनी पत्नी को पीट रहा था। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों और ग्रामवासियों के समझाने पर भी वह पत्नी को पिटता रहा। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया।

# केंद्रीय शहरी व पेट्रोलियम मंत्रालय के सहयोग से तीर्थ नगरी के विकास को मिलेगी रफ्तार

**धनराशि की निर्गत**

8 -केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने ऋषिकेश की विभिन्न योजनाओं के लिए 21 करोड़ की धनराशि की निर्गत

**ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया**
ट्रिपल इंजन की सरकार में केन्द्र सरकार के शहरी एवं प्रेटोलियम मंत्रालय के सहयोग के चलते तीर्थ नगरी ऋषिकेश में 21 करोड़ रुपये की धनराशि से विकास की विभिन्न योजनाएं धरातल में उतरेगी।
नगर निगम महापौर अनिता ममगांई ने नई दिल्ली में पेट्रोलियम, आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उनके साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश के चतुर्दिक विकास को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की। देवभूमि के अंतरराष्ट्रीय महत्व को देखते हुए केन्द्रीय शहरी एवं पेट्रोलियम मंत्री ने 21 करोड़ की धनराशि से विभिन्न विकास कार्यों को धरातल पर उतारने की बात कही।
महापौर ने बताया कि देहरादून रोड़ स्थित इन्द्रमणि बडोनी चौक से बाईपास मार्ग स्थित जोकि राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित हो चुका है उसका कायाकल्प केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय करेगा, जिसके तहत गुमानीवाला स्थित अगापे स्कूल तक जगमग लाइटें लगाई जायेंगी। इससे योजना का लाभ योग नगरी स्टेशन के जरिए लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को भी मिलेगा।
महापौर के मुताबिक केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय ऋषिकेश नगर निगम को कूड़ा उठान के लिए बीस नये वाहन भी देगा, जिसका लाभ निगम के तमाम चालीस वार्डों की जनता को मिलेगा।
महापौर के अनुसार तीर्थ नगरी के शहर के विकास के दौरान केन्द्रीय मंत्री से हुई शहर के ड्रेनेज सिस्टम में सुधार के लिए भी अत्याधुनिक तकनीक की मशीनों सहित अंडरग्राउंड कूड़ा घर भी बनाये जायेगें। यहीं नही आस्थापथ में मुंबई की तर्ज पर बेहद आकर्षक लाइटें लगाने में भी केन्द्रीय शहरी एवं पेट्रोलियम मंत्रालय नगर निगम को सहयोग करेगा। महापौर ने बताया कि केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री द्वारा उन्हें मुलाकात के दौरान पूर्ण आश्वस्त किया गया कि आपके द्वारा ऋषिकेश के विकास को लेकर आपके जो भी सुझाव आयेंगे उसमें हर संभव सहयोग किया जायेगा। मुलाकात के दौरान विकास कार्यों की विभिन्न योजनाओं के लिए 21 करोड़ रुपये की सौगात दिए जाने पर महापौर ने देवभूमि की जनता की ओर से केन्द्रीय शहरी एवं पेट्रोलियम मंत्री का आभार जताया।

# मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के अनुभवों से जुड़ी रेजिलिएंट इंडिया पुस्तक का किया विमोचन

**विमोचन**

8 इसमें बताया गया है कि किस तरह मोदी ने भारत के आपदा प्रबंधन मॉडल को बदल कर प्रभावी बनाया है।

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को और छठे विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुभवों पर आधारित पुस्तक रेजिलिएंट इंडिया पुस्तक का विमोचन किया। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के सिल्वर जुबली कनवेंशन सेंटर में आयोजित विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभवों पर आधारित पुस्तक रेजिलिएंट इंडिया का विमोचन किया। इस पुस्तक में बताया गया है कि किस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के आपदा प्रबंधन मॉडल को बदल कर ज्यादा प्रभावी बनाया है।

## संक्षिप्त खबरें

### प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम धामी से ली सिलक्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी

**उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया**
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः फोन कर उत्तरकाशी की सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों के राहत एवं बचाव कार्य के संबंध में जानकारी ली।
प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी से सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों का कुशलक्षेम जाना। प्रधानमंत्री ने ड्रिलिंग के संबंध में संपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के साथ ही उन्हें बाहर निकालने के राहत बचाव कार्य में जुटे लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। साथ ही प्रधानमंत्री ने आगामी रणनीति पर भी चर्चा की।
मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि मैन्युअली ड्रिलिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। अब तक कुल 52 मीटर पाइप को पुश कर लिया गया है। यदि कोई बड़ी अड़चन नहीं आई तो शीघ्र ही सभी श्रमिकों को बहार निकाल लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंदर फंसे सभी श्रमिकों का स्वास्थ्य सकुशल है। राहत एवं बचाव कार्य में जुटे श्रमिक, इंजीनियर और विशेषज्ञ अधिकारी हर संभव प्रयास कर रहे हैं।
मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि अंदर फंसे से सभी श्रमिकों को नियमित रूप से गुणवत्ता पूर्ण भोजन भेजा जा रहा है। सभी श्रमिकों से निरंतर डॉक्टर एवं मनोचिकित्सकों से भी संवाद करवाया जा रहा है। सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी निरंतर बात करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि एसडीआरफ के स्थापित कम्युनिकेशन सेटअप के अतिरिक्त बीएसएनएल द्वारा टेलिफोनिक कम्युनिकेशन सेटअप को भी स्थापित किया है।
मुख्यमंत्री ने बताया कि फंसे श्रमिकों को निकल जाने के उपरांत सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने बताया एसडीआरएफ, एनडीआरएफ मौके पर तैनात की गई है। डॉक्टर की टीम भी मौके पर मौजूद है। सभी रेस्क्यू टीम व अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट पर रखा गया है।

### हल्द्वानी में पानी संकट का बड़ा समाधान, आपस में जुड़ेंगे 87 ट्यूबवेल

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
हल्द्वानी में हर दिन पेयजल का संकट बना रहता है। लगातार खराब होने वाले ट्यूबवेल लोगों की परेशानियां और बढ़ाते हैं। एक बार ट्यूबवेल खराब होने पर 10 से 15 दिन बाद ही आपूर्ति फिर से बहाल हो पाती है। अब इस संकट के समाधान के लिए कवायद शुरू हो गई है। हल्द्वानी के सभी 87 ट्यूबवेल को आपस में जोड़ा जा रहा है।
ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी कार्रवाई शुरू हो गई है। वहीं शहरी इलाकों में भी जल्द यह कवायद शुरू की जाएगी। गौला नदी के पानी को फिल्टर करने के साथ 87 ट्यूबवेल से भूजल निकाल कर हल्द्वानी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति की जाती है। एक ट्यूबवेल खराब होने पर प्रभावित क्षेत्र में कई दिनों तक लोगों का दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब समस्या के समाधान के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है।
जल संस्थान और जल निगम ने ग्रामीण क्षेत्र में नजदीकी ट्यूबवेल का आपस में जोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है।
उत्तराखंड स्टेट अर्बन डेवलपमेन्ट एजेंसी (यूयूएसडीए) ने शहरी इलाके में नई पेयजल लाइन बिछाने के साथ ही यहां मौजूद ट्यूबवेल को भी आपस में जोड़ने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। नजदीकी ट्यूबवेल को आपस में जोड़ने की कार्रवाई पूरी होने के बाद एक ट्यूबवेल के खराब होने पर दूसरे से पानी की आपूर्ति किया जाना संभव होगा, जिससे लोगों को पानी के लिए परेशानी नहीं उठानी होगी। पानी की सप्लाई के लिए टैंकर का संचालन किया जाना भी जरूरी नहीं होगा।
हल्द्वानी शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद ट्यूबवेल को जल जीवन मिशन के तहत आपस में जोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। नजदीकी ट्यूबवेल की सप्लाई लाइन एक ही होने से जरूरत के अनुसार इनका इस्तेमाल प्रभावित क्षेत्र में पेयजल देने के लिए किया जाएगा। लगातार उपयोग किए जाने से जल संस्थान के आधा दर्जन से ज्यादा ट्यूबवेल खराब होते हैं। इस स्थिति में प्रभावित क्षेत्र में कई दिनों तक लाइन से पानी की आपूर्ति ठप हो जाती है, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए निजी टैंकर से पानी तक मंगवाना पड़ता है। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नजदीकी ट्यूबवेल आपस में जोड़े जा रहे हैं। यह कार्य पूरा होने के बाद पानी की आपूर्ति बेहतर हो जाएगी।

### लापता हुए युवक का शव गंगनहर से हुआ बरामद

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
करीब सप्ताह भर से लापता हुए युवक का शव मोहम्मदपुर झाल से बरामद हो गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने शव को पास्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल रुड़की भिजवाया।
नारसन चौकी क्षेत्र के बूढ़पुर गांव निवासी रीनू कुमार का विवाह नसीरपुर गांव में हुआ था। उसकी पत्नी अपने मायके गई हुई थी। बताया गया कि करीब सप्ताह भर पूर्व वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया था, लेकिन वहां से नहीं लौटा।
परिजन तलाश में जुटे हुए थे। बताया गया है कि सोमवार देर रात उसका शव मोहम्मदपुर स्थित झाल में देखा गया।

# 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान' खोलने के लिए केन्द्र से किया जाएगा अनुरोध

**संवेदनशील**

8 मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। ऐसे में उत्तराखंड में ह्यराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थानह्ल खोलने के लिए केन्द्र से अनुरोध किया जाएगा। राज्य सरकार संस्थान स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराएगी। क्लेमेंट टाउन स्थित, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चार दिवसीय 6 वें आपदा प्रबंधन वैश्विक सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यह सम्मेलन 01 दिसम्बर तक होने वाले इस सम्मेलन में अनेक देशों के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे हैं। इस सम्मेलन में 60 से अधिक तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभव पर आधारित पुस्तक रेजिलिएंट इंडिया का विमोचन भी किया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में ह्यराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थानह्ल खोलने के लिए भूमि की व्यवस्था के साथ ही केन्द्र सरकार से अनुरोध किया जायेगा। राज्य में इस संस्थान की खोलने के लिए केन्द्र सरकार की जो भी अपेक्षा होगी, वह राज्य राज्य सरकार द्वारा पूरी की जायेगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग और महिलाओं के लिए राज्य में आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष प्रावधान किये जायेंगे। राज्य के विश्व विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में आपदा प्रबंधन के पाठ्यक्रम शामिल किये जायेंगे और कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा।
उत्तराखंड प्राचीनकाल से ही शोध, साधना,आध्यात्म और विज्ञान की रही है उद्गम स्थली-
मुख्यमंत्री धामी ने द्रोणनगरी देहरादून में आयोजित छठे विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन में देश-विदेश से आये सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राचीनकाल से ही शोध, साधना, आध्यात्म, ज्ञान और विज्ञान की उद्गम स्थली रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य, गुरु नानकदेव , स्वामी विवेकानंद से लेकर रविन्द्र नाथ टैगोर तक अनेक युग दृष्टाओं की आध्यात्मिक यात्रा में कहीं न कहीं हिमालय और विशेष रूप से उत्तराखंड के दर्शन अवश्य होते हैं।

# जाखणीधार में संकल्प यात्रा एक दिसंबर से

**संकल्प यात्रा**

8 आईईसी वैन के माध्यम से समस्त 92 ग्राम पंचायतों में तैयार किए गये रूट पर आयोजित किया जायेगा।

**नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया**
विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भारत सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं के संतृप्तीकरण के लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंच सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय जन भागीदारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में ब्लाक जाखणीधार में संकल्प यात्रा का आयोजन आगामी एक दिसंबर से आरंभ होगा।
संकल्प यात्रा के बाबत जानकारी देते हुए प्रभारी खंड विकास अधिकारी डीपी चमोली ने बताया कि यात्रा में भारत सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार विकास खंड को आवंटित दो आईईसी वैन के माध्यम से समस्त 92 ग्राम पंचायतों में तैयार किए गये रूट पर आयोजित किया जायेगा। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी की तैनाती कर दी गई है। निर्धारित तिथि को प्रत्येक ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री मोदी का संदेश, पंचप्रण शपथ, शासकीय योजनाओं में लाभ प्राप्त कर चुके लाभार्थियों का सम्मान, मेरी कहानी-मेरी जुबानी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत धरती करे पुकार आदि थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। संकल्प यात्रा में ग्राम पंचायतों के किए गये कार्य, जल जीवन मिशन से प्राप्त उलब्धियां, पीएम उज्ज्वल योजना, पीएम किसान सम्मान, पीएम पोषण योजना, स्वामित्व योजना जैसे व्यक्ति लाभ प्राप्त लाभार्थियों से संवाद कर समस्त कार्यक्रमों का भारत सरकार पोर्टल पर आनलाइन अपलोड किया जायेगा। जिसमें बीडीओ नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

### पालिका और पंचायतों में आठ तक होगा निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण

**गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया**
जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय निकाय) की ओर से चमोली जनपद में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों की निर्वाचक नामवलियां का विस्तृत पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत जिले में आगामी आठ दिसम्बर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण कार्य करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (स्थानीय निकाय) डा.अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के नगरीय क्षेत्र के अर्ह व्यक्ति गणना अवधि में अपना नाम मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा सकते हैं।

# शैक्षाक्ति और अनुसंधान में असीम संभावनाओं, चुनौतियां पर गुरुकुल में हुई चर्चा

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
भेषज विज्ञान विभाग में प्रकाश पर्व के अवसर पर नाईपर, अहमदाबाद से आए प्रोफेसर पल्लब भट्टाचार्य एवं पीजीआई, चंडीगढ़ से आए प्रोफेसर रविंदर खैवाल ने विभाग के छात्रों, शोध छात्रों एवं अध्यापकों को शैक्षणिक एवं अनुसंधान में असीम संभावनाओं एवं चुनौतियां पर विस्तार से चर्चा की।
प्रोफेसर भट्टाचार्य ने बताया कि आज के समय में पुस्तकों के ज्ञान के अलावा ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध होने वाले सॉफ्टवेयर एवं ऑनलाइन स्त्रोतों की भी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समय के साथ होने वाले अनुसंधानों पर अपनी नजर रखनी होती है। उन्होंने छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थाओं के बारे में विस्तार से बताया।
पीजीआई, चंडीगढ़ के प्रोफेसर खैवाल ने पब्लिक हेल्थ एवं उससे जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं तथा आज के समय में प्रयोग होने वाली दवाओं, कीटनाशक आदि के दुष्प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने वर्तमान समय में बदलती जीवन शैली एवं इससे होने वाले विभिन्न रोगों के बारे में जानकारी दी तथा इसमें भारतीय ज्ञान, संस्कृति एवं विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने द्वारा बनाए गए कॉमिक वायु के बारे में जो वातावरण एवं युवाओं से संबंधित है, के बारे में जानकारी दी। कोरोना काल में समाज के अंदर उपयोग होने वाली विभिन्न दवाओं, उपचार, वैक्सीन, जड़ी-बूटियों एवं उससे संबंधित अनुसंधान के बारे में विस्तार से चर्चा की।
इन्होंने बताया कि हमें अपने आसपास होने वाली नित्य दिन की घटनाओं को संजीविता के साथ देखना चाहिए जिससे हमारे मन में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों के सरल समाधान के विचार आते हैं। इनको माध्यम मानकर अच्छे-अच्छे अनुसंधान किये जा सकते ह। इन्होंने छात्रों को बताया कि हमें अपना उद्देश्य हमेशा उच्च रखना चाहिए।

# कांग्रेसियों को कांग्रेस की मुख्यधारा में जोड़ा जाएगा: राकेश सिंह

**ऋषिकेश /टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड में होने वाले नगर निगम और लोकसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने घर बैठे कांग्रेसियों को कांग्रेस की मुख्य धारा में लाने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। इसके लिए पार्टी ने ब्लॉक एवं मंडलम कमेटियों के विस्तार पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की।
मंगलवार को सन शाइन पब्लिक स्कूल बनखंडी" सोमेश्वर में ब्लॉक एवं मंडलम कमेटी विस्तार विषय पर महत्वपूर्ण बैठक हुई। महानगर सोमेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष राहुल रावत ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ विचार विमर्श कर नव सृजित सोमेश्वर ब्लाक अंतर्गत सुभाष मंडलम व शास्त्री मंडलम संगठन विस्तार का खाका तैयार किया गया। इसमें प्रमुखता से उठाई गई कि इसमें पुराने घर बैठे कांग्रेसियों को पुनः कांग्रेस की मुख्य धारा में जोड़ा जाएगा, और जनता के समस्याओं के गंभीर मुद्दे भी समय समय पर उठाए जायेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला प्रसाद भट्ट ने कार्यकताओं को आगामी चुनाव को देखते हुए एकजुट होने का निर्देश दिया। साथ ही सरकार की नाकामियों को जनता के बीच लाकर संघर्ष करने को कहा ।
बैठक में प्यारे लाल जुगरान, शैलेंद्र बिष्ट, महामंत्री संगठन ऋषि सिंघल, शास्त्री मंडलम अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, सुभाष मंडलम अध्यक्ष मुकेश जाटव, पार्षद राधा रमोला, बृजपाल राणा, मदन शर्मा, मुरारी सिंह राणा, एकांत गोयल, किशोरी गौड़, रेनू नेगी, गंगा गुप्ता, जितेंद्र पाठी, शुभम पाल, पुष्पा आदि मौजूद रहे।

# कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति, जिला परामर्शदात्री समिति की संयुक्त बैठक आयोजित

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति, जिला परामर्शदात्री समिति (बैंकिंग) की संयुक्त बैठक आयोजित हुई।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर संजय सन्त ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया प्रधानमंत्री जन धन योजना के अन्तर्गत हरिद्वार जनपद में योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए बीमा योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। अटल पेंशन योजना के बारे में लीड बैंक मैनेजर ने बताया कि जनपद में प्रारम्भ से लेकर सितम्बर, 2023 तक 1,53,264 लोगों की पेंशन स्वीकृत हो चुकी है। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकार की योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी तक पहुंचाया जा रहा है, ऐसे में शत-प्रतिशत आधार सीडिंग करें ताकि लाभार्थी आधार सीडिंग की वजह से लाभ प्राप्त करने से वंचित न रहे।

बैठक में लीड बैंक मैनेजर ने सूचना प्रौद्योगिकी का जिक्र करते हुये बताया कि हरिद्वार जनपद में सितम्बर, 2023 के अनुसार 287 बैंक शाखाएं और 461 एटीएम हैं।
मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंकों व सरकार द्वारा ऋण वितरण के अतिरिक्त किये गये क्रियाकलापों के सम्बन्ध में पूछे जाने पर लीड बैंक मैनेजर ने बताया कि वित्तीय साक्षारता केन्द्रों के माध्यम से सितम्बर, 2023 तिमाही तक 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 379 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।
इसके अतिरिक्त हरिद्वार जनपद में बिजनेस करसपोंडेंट्स सखी के तहत 24 महिलाओं को ट्रेनिंग दी गयी है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि इन बिजनेस करसपोंडेंट्स सखी को यथा शीघ्र कार्य क्षेत्र आवंटित किया जाये ताकि इनको दिये गये प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके।
प्रतीक जैन ने बैठक में कुछ नॉन परफार्मर बैंकों की ऋण-जमा अनुपात की प्रगति पर नाराजगी प्रकट की तथा जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, उसे समय पर पूरा करने के निर्देश दिये।
मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री रेहड़ी पटरी आत्म निर्भर निधि, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी ली।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी योजना में कोई भी आवेदन लम्बित नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि अगर आप कोई भी आवेदन को निरस्त कर रहे हैं, तो उसके निरस्त होने के स्पष्ट कारण का उल्लेख अवश्य होना चाहिये।
प्रतीक जैन ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुये कहा कि इसके अन्तर्गत प्रत्येक बैंक विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सम्बन्धित क्षेत्रों में लगाये गये कैम्पों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को भारत सरकार तथा राज्य सरकार की संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।
बैठक में स्वतः रोजगार योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, होम स्टे योजना, मुद्रा योजना, स्टैण्डअप योजना, प्राकृतिक आपदाओं के मामलों में सहायता, लम्बित वसूली प्रकरण आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श हुआ तथा मुख्य विकास अधिकारी ने इन योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये।
इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने नाबार्ड की हरिद्वार शाखा की पुस्तक सम्भाव्यता ऋण योजना-2024-25 का विमोचन भी किया।
इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस दीपक सेठ, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, मुख्य उद्यान अधिकारी ओम प्रकाश सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश शर्मा, महाप्रबन्धक उद्योग सुश्री पल्लवी गुप्ता, प्रतिनिधि नगर निगम हरिद्वार, नगर निगम रुड़की, नाबार्ड, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण विभाग, जिला कोआपरेटिव बैंक सहित सम्बन्धित बैंकों एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

## संपादकीय

# मौत से पहले ही मार देता है 'लाल रिबन फंदा'

**आज** यानी एक दिसंबर को सारा विश्व एड्स रोधी दिवस मनाता है,एड्स दुनियाभर की सबसे घातक बीमारियों में है और इस बीमारी ने कई महामारियों से अधिक लोगों की जान ली है । दुनिया भर में इंसान का सबसे घातक दुश्मन है एड्स । एड्स करीब - करीब लाइलाज है । हालांकि एड्स के वायरस का पता 1983 में चल गया था, पर उपचार की खोज आज भी जारी है ।

इस व्याधि का प्रतीक ह्यलाल रिबन का फंदा' तमाम उपायों के बावजूद भी जीवन के गले में फांसी के फंदे की तरह आज भी मौजूद है । अतिसूक्ष्म विषाणु एच.आई.वी की वजह से एड्स होता है। एड्स स्वयं में कोई रोग नहीं है बल्कि एक उपलक्षण है। यह अन्य रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता को घटा देता है। प्रतिरोधक क्षमता के घटने से कोई भी संक्रमण, जैसे सर्दी जुकाम से ले कर टीबी,, कैंसर जैसे रोग तक सहजता से हो जाते हैं और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है। तेजी से और अत्याधिक वजन घटना , सूखी खांसी, लगातार ज्वर या रात के समय अत्यधिक व असाधारण मात्रा में पसीने छूटना ,कंधों और गर्दन में लम्बे समय तक सूजी हुई लसिकायें ,एक हफ्ते से अधिक समय तक दस्त होना। लम्बे समय तक गंभीर हैजा, फेफड़ों में जलन ,चमड़ी के नीचे, मुँह, पलकों के नीचे या नाक में लाल, भूरे, गुलाबी या बैंगनी रंग के धब्बे , निरंतर भुलक्कड़पन, लम्बे समय तक उदासी एड्स के आरंभिक लक्षण है अतः यदि ऐसे लक्षण आपको अपने में या किसी में नजर आए तो तुरंत सजग हो जाएं। एचआईवी की प्रारंभिक अवधि 2 से 4 सप्ताह है इसमें इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी या मोनोंयुक्लिओसिस जैसी बीमारी के लक्षण दिखते हैं सबसे प्रमुख लक्षण बुखार, लिम्फ नोड्स, गले की सूजन, चक्कते, सिर दर्द या मुँह और जननांगों के घाव आदि है । कुछ लोगों में उल्टी, मिचली या दस्त और कुछ में जुल्लैन बर्रे सिंड्रोम जैसी बीमारियों के लक्षण दिखते हैं। एड्स की अंतिम अवस्था है इस से पीड़ित हो जाना यह सबसे खतरनाक अवस्था है । दुनिया भर में इस समय लगभग चार करोड़ 20 लाख लोग एच.आई.वी का शिकार हैं। इनमें से दो तिहाई सहारा से लगे अफ्रीकी देशों में रहते हैं और उस क्षेत्र में भी जिन देशों में इसका संक्रमण सबसे ज्यादा है वहाँ हर तीन में से एक वयस्क इसका शिकार है। दुनिया भर में लगभग 14,000 लोग प्रतिदिन इसका शिकार हो रहे हैं । एचआईवी संक्रमण सबसे ज्यादा संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संपर्क से होता है । हालांकि, एच. आई. वी. प्रसार भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न तरीकों से हुआ है. संयुक्त राज्य अमेरिका में 2009 तक, सबसे अधिक 64% एच. आई. वी. प्रसार समलैंगिक पुरुषों में हुआ । असुरक्षित विषमलिंगी यौन संबंधो में अनुमानतः प्रत्येक यौन सम्बन्ध में एचआईवी संक्रमण का जोखिम कम आय वाले देशों में उच्च आय वाले देशों कि तुलना से चार से दस गुना ज्यादा है। एचआईवी के संक्रमण का दूसरा सबसे बड़ा स्त्रोत रक्त और रक्त उत्पाद हैं। रक्त के द्वारा संक्रमण नशीली दवाओ के सेवन के दौरान सुइयों के साझा प्रयोग के द्वारा, संक्रमित सुई से चोट लगने पर, दूषित रक्त या रक्त उत्पाद के माध्यम से या उन मेडिकल सुइयों के माध्यम से जो एच. आई. वी. संक्रमित उपकरणों के साथ होते हैं। इंजेक्शन आपस में लगाने से भी इसके फैलने का जोखिम है।

# क्यों इतनी घुमक्कड़ी करने लगे हिन्दुस्तानी

**आर.के. सिन्हा**

> "उस महिला का उत्तर था- ह्यहम गुजराती हैं पर केन्या के ह्ल फिर उसने मुस्कराते हुए कहा कि ह्यहम लोग केन्या में दशकों पहले बस गए थे। हालांकि हमारी भाषा और संस्कार पूरी तरह से गुजरात की धरती के हैं ह्ल आप बंग भाषियों को भी दूर-सुदूर की खाक छानते हुए देखेंगे। खुशवंत सिंह कहते थे कि आप ज्ञान अर्जित दो तरह से कर सकते हैं- पहला, पढ़कर और दूसरा, घूमकर। यह बात पूरी तरह से सही है। आप जब किसी अन्य स्थान पर जाते हैं तो आपको वहां के लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं को जानने का भी मौका मिलता है। घुमक्कड़ी किसी भी इंसान को समृद्ध बनाती है। मैं हाल के दौर में इस तरह के बहुत सारे लोगों के संपर्क में आया हूं, जो समय-समय पर देश के अलग-अलग भागों जाते हैं"

**आप** देश के किसी भी हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन पर चले जाएं, आपको वहां पर एक जैसा नजारा ही देखने में आएगा। उधर आने जाने वाले मुसाफिरों की भीड़ नजर आएगी। लगता है कि सारा देश ही घूमने के मूड में है। जैसे ही दफ्तरों में दो-तीन दिन के एक साथ अवकाश आते हैं तो लोग उन छुट्टियों में कुछ और छुट्टियों को जोड़कर किसी पर्यटक स्थल के लिए निकल जाते हैं। उन्हें समद्री तट से लेकर पहाड़ और अभयारण्यों से लेकर धार्मिक स्थल तक सबकुछ ही पसंद आ रहे हैं। एक बात और कि भारतीय सिर्फ देश के अंदर ही घूमकर संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें देश से बाहर जाना भी अच्छा खासा रास आ रहा है। बुकिंग डॉट कॉम के एक निष्कर्ष के अनुसार, पिछले साल यानी 2022 में करीब दो करोड़ हिन्दुस्तानी देश से बाहर घुमक्कड़ी के लिए निकले। यह कोई छोटा-मोटा आंकड़ा नहीं है। भारतीय लंदन, पेरिस, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन और दूसरे शहरों के अलावा केन्या, नाइजीरिया, तंजानिया, दुबई, सिंगापुर,वियतनाम, सिडनी मेलबोर्न, पर्थ, हॉगकॉग वगैरह जा रहे हैं। दुबई और सिंगापुर के बाजारों में घूमते हुए तो लगता है कि आप किसी भारतीय शहर में ही हैं। वहां पर हजारों भारतीय रोज पहुंच रहे हैं। दरअसल आर्थिक उदारीकरण के बाद हिन्दुस्तानियों की आर्थिक स्थिति सुधरी तो उन्होंने भी मन ही मन दुनिया को देखने का फैसला भी कर लिया। अब हिन्दुस्तानी कमाए हुए पैसे को गांठ में बांधने भर के लिए राजी नहीं है। उन्हें तो घूमना है। याद नहीं आता कि अब से पहले कब हिन्दुस्तानी आजकल की तरह से घूमने के लिए घर से निकले थे। बेशक, दुनिया को जानने के लिए यायावरी जरूरी है। आप अगर घूमेंगे ही नहीं तो दुनिया को जानेंगे-समझेंगे कैसे। घुमक्कड़ी की चर्चा होगी तो राहुल सांकृत्यायन जी का नाम तुरंत जेहन में आएगा। वे सदैव घुमक्कड़ ही रहे। उनकी सन्? 1923 से विदेश यात्राओं का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर इसका अंत उनके जीवन के साथ ही हुआ। ज्ञानार्जन के उद्देश्य से प्रेरित उनकी यात्राओं में श्रीलंका, तिब्बत, जापान और रूस की यात्राएँ विशेष रही थीं। वे चार बार तिब्बत पहुंचे। वहां लम्बे समय तक रहे और भारत की उस विरासत को जाना, जो हमारे लिए अज्ञात और विस्मृत हो चुकी थी। वे 1907 में घर से भागकर चार मास तक कोलकाता में रहे। वे काशी में भी रहे। उन्होंने वहां रहकर



संस्कृत का अध्ययन किया। वे पैदल ही अयोध्या होते हुए मुरादाबाद पहुँचे और वहाँ से हरिद्वार गए। हरिद्वार से हिमालय, देवप्रयाग, टिहरी, यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा की। फिर प्रयाग की प्रदर्शनी देखने के लिए घर से निकल गए। गांधी जी भी बहुत बड़े घुमक्कड़ थे। वे रेलों से खूब सफर किया करते थे। घुमक्कडी के चलते उन्होंने देश के चप्पे- चप्पे को देखा और भारत को जाना। गुरु नानक देव जी ने 24 साल में दो उपमहाद्वीपों के 60 प्रमुख शहरों की पैदल यात्रा की। इस दौरान उन्होंने 28 हजार किमी का सफर किया। उनकी यात्राओं का मकसद समाज में मौजूद ऊंच-नीच, जात-पांत, अंधविश्वास आदि को खत्म कर आपसी सद्भाव, समानता कायम करना था। वे जहां भी गए, एक परमात्मा की बात की और सभी को उसी की संतान बताया। बाबा नानक अपनी पहली यात्रा के दौरान पंजाब से हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल, सिक्किम, भूटान, ढाका, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, चटगांव से होते हुए बर्मा (म्यांमार) पहुंचे वहां से वे ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और हरियाणा होते हुए वापस आए थे। तो भारत में प्राचीनकाल से ही यायावरी करने वाले रहे हैं। यूं तो सारा भारत अब घुमक्कड़ हो चुका है, पर इस मोर्चे पर गुजराती और बंगाली बाकी से अब भी कुछ आगे ही हैं। आपको देश और देश से बाहर गुजराती पर्यटक मिलेंगे। गुजराती दुनियाभर में बसे भी हुए हैं। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक में। मुझे याद है कि एक बार मैं मिस्र की राजधानी काहिरा में पिरामिडों को निहार रहा था। वहां पर बहुत सारे गुजरती भी आ रहे थे बसों में। उनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। मैंने एक महिला से पूछा- ह्यक्या आप भारत के गुजरात प्रांत से हैं? उस महिला का उत्तर था- ह्यहम गुजराती हैं पर केन्या के ह्ल फिर उसने मुस्कराते हुए कहा कि ह्यहम लोग केन्या में दशकों पहले बस गए थे। हालांकि हमारी भाषा और संस्कार पूरी तरह से गुजरात की धरती के हैं ह्ल आप बंग भाषियों को भी दूर-सुदूर की खाक छानते हुए देखेंगे। खुशवंत सिंह कहते थे कि आप ज्ञान अर्जित दो तरह से कर सकते हैं- पहला, पढ़कर और दूसरा, घूमकर। यह बात पूरी तरह से सही है। आप जब किसी अन्य स्थान पर जाते हैं तो आपको वहां के लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं को जानने का भी मौका मिलता है। घुमक्कड़ी किसी भी इंसान को समृद्ध बनाती है। मैं हाल के दौर में इस तरह के बहुत सारे लोगों के संपर्क में आया हूं, जो समय-समय पर देश के अलग-अलग भागों जाते हैं। कभी-कभी देश से बाहर निकल जाते हैं। उनसे बात करके लगता है कि घुमक्कड़ी उन्हें बेहतर इंसान बना रही है। घुमक्कड़ी का मतलब सिर्फ खानपाल ही नहीं होना चाहिए। हालांकि कुछ लोग इस लिए भी सफर पर निकल जाते हैं ताकि उन्हें भांति-भांति के डिशेज के साथ न्याय करने का मौका मिल जाता है। घुमक्कड़ी का लक्ष्य सिर्फ पेट पूजा नहीं होना चाहिए। आपको नई-नई जगहों के समाज और संस्कृति को भी समझना होगा।अगर भारत से लोग बाहर जा रहे हैं तो बाहर से भारत में पर्यटक आ भी रहे हैं। जानकारों के अनुसार, कोरोना के असर से ठीक एक साल पहले साल 2019 में भारत में लगभग 1. 93 करोड़ विदेशी पर्यटक आए। उसके बाद से भारत में विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला 75 फीसद तक गिरा। चूंकि अब हालत सामान्य हो चुके है, इसलिए भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक को बढ़ाना होगा। भारत में ताजमहल, गुलाबी नगरी जयपुर, पहाड़ों की रानी दार्जिलिंग, असीमित जल का क्षेत्र कन्याकुमारी, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर समेत अनगिनत अहम पर्यटन स्थल हैं। हमारे यहां भगवान बुद्ध से जुड़े अनेक अति महत्वपूर्ण स्थल हैं। भारत में बौद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत है। आखिर हम बौद्ध की भूमि होने के बावजूद दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करने में क्यों असफल रहे। कुछ साल पहले तक राजधानी के दिल कनॉट प्लेस में बड़ी तादाद में विदेशी घूम रहे होते थे।

## कविता

बद गुमानी की ऊँचाइयाँ देर तक
दिल को देती रहीं खाइयाँ देर तक

उस के जिस्मे- मुअत्तर को छू क्या लिया
महका की हैं मेरी उंगलियाँ देर तक

आप की इस इलाके से रुखसत के बाद
सूनी सूनी रहीं बस्तियाँ देर तक

देख कर तेरा बद मस्त जिस्मे- जवाँ
कौंदा कीं कल्ब पर बिजलियाँ देर तक

मैं तो सहरा नुमा था मेरे गिर्द क्यों
रक़्स करती रहीं तितलियाँ देर तक

महफिले- यार फिर भी नहीं मिल सकी
की गईं जादा पैमाइयाँ देर तक

हाय री मुफलिसी कि जवाँ चेहरे की
देखते रह गए झुर्रियाँ देर तक

हिज्र की शब मगर नींद आई नहीं
यादें देती रहीं थपकियाँ देर तक

वो भी दिन क्या भले थे कि माँ बाप की
खाते रहते थे जब झड़कियाँ देर तक

**जकी तारिक बाराबंकवी**

# विधानसभा चुनाव प्रचार में फिर गिरा भाषा का स्तर

**राजेश माहेश्वरी**

**वर्तमान** राजनीतिक माहौल में आए दिन नेताओं द्वारा अमर्यादित और स्तरहीन भाषा का प्रयोग किया जा रहा है जिसे हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आजकल नेतागण विकास की बातें करने के बजाय एक दूसरे पर कीचड़ उछालते हैं और इस क्रम में अमर्यादित भाषा का उपयोग ज्यादा करने में विश्वास रखते हैं। हाल के दशकों में जैसे-जैसे सत्ताकांक्षी नेता व दल लोकतंत्र के उद्देश्यों, मूल्यों व परंपराओं को लेकर अगंभीर होते गए, अपने विपक्ष को प्रतिद्वंद्वी के बजाय दुश्मन की तरह लेने और वास्तविक मुद्दों को दरकिनार व मतदाताओं पर इमोशनल अत्याचार करके वोट मांगने लग गए हैं, उनकी भाषा राजनीतिक शिष्टाचार की सारी सीमाएं तोड़कर दुर्भावनापूर्ण, असभ्य और फूहड़ होती गई है। राजनेताओं की भाषा और विचार के गिरते स्तर का अनुभव पिछले दिनों पांच राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान देश की जनता ने किया। राजनीतिक विरोधियों पर कटुवचनों के प्रहार से लेकर व्यक्तिगत आक्षेप लगाने में किसी को कोई हिचक नहीं है। चुनावों के दौरान प्रतिस्पर्धा चरम पर होने से नीतिगत के साथ ही व्यक्तिगत आलोचना भी स्वाभाविक तौर देखने मिलती है। लेकिन वह शालीनता के मापदंडों के अंतर्गत न हो शत्रुता कही जाएगी। ये बात प्रधानमंत्री से लेकर स्थानीय नेताओं तक पर बराबरी से लागू होती है। जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें मिजोरम छोड़कर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेष और दक्षिण के राज्य तेलंगाना के नतीजों पर सारे देष की नजरें टिकी हैं। चूंकि इन राज्यों के चुनाव नतीजे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में इन चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस आमने सामने खड़ी दिखाई दी। दोनों दलों ने अपने स्टार प्रचारकों के माध्यम से माहौल अपने पक्ष में बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन जिस प्रकार की शब्दावली कतिपय दिग्गज नेताओं द्वारा उपयोग की गई वह इनके राजनीतिक कद के अनुरूप कतई नहीं है। इस मामले में किसी विशेष नेता को कठघरे में खड़ा करना तो अन्याय होगा क्योंकि शब्दों की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन सभी की ओर से किया गया। कुछ अपवाद अवश्य होंगे लेकिन ज्यादातर ने आलोचना

करते समय लोकतांत्रिक सौजन्यता की खुलकर उपेक्षा की। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या राजनेताओं को अपने भाषण में संयम और शालीनता का परिचय नहीं देना चाहिए? क्या लोकतंत्र में शब्दों की मयार्दा अनिवार्य नहीं होना चाहिए? आखिर इनसे हमारी जनता क्या प्रेरणा ले सकती है? क्या जनता को ऐसे नेताओं को वोट देना चाहिए? क्या ऐसे नेताओं को सामाजिक बहिष्कार नहीं कर देना चाहिए? क्या इसके लिए चुनाव आयोग को कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं करना चाहिए? क्या इसे चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में नहीं रखना चाहिए?

## विचार

# हिंसा और आंतकवाद मानसिक विकृति और दिवालियापन

**मानसिक** विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है ' इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं' यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं' भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए'

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है।

दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं।


# एक्शन इंडिया दैनिक

**भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

**आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

**सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)**
**actionindiaddn@gmail.com**



**वैधानिक सूचना**

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।


## चिंतन

# बच्चों में अज्ञात नये श्वसन रोग का जनक एक बार फिर चीन ही क्यों?

**पिछले** लगभग कुछ दशकों में चीन में कुछ ऐसी नयी बीमारियों का उदय हुआ है जो विश्व के अन्य देशों में विस्तार पा कर मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी हैं और बड़ी संख्या में मृत्यु का कारण भी। 1996 में ह्यहैनान एवियन फ्लूह्ल नामक बीमारी का चीन के हैनान प्रांत में जन्म हुआ। इसे एच 7,एच 9,एच 10,एन 8,एन 1 भी कहा जाता है। यह रोग पक्षियों में एन्फ्लूएंजा -ए वायरस से फैला। ऐसी भी मान्यता है कि मनुष्य में इसका संक्रमण ह्यब्राह्मणी डकह्लनामक पक्षी से हुआ है। इस रोग ने पक्षियों के साथ मनुष्य को भी बहुत नुक्सान पहुंचाया। फिर 2002-2003 में एक विषाणु(वायरस) जिसे रअफ्ठ-उङ्ग्श कहते हैं से सार्स (सीवियर एक्यूट रेसपायरेटरी सिन्ड्रोम) नामक रोग का जन्म भी चीन के ह्यग्यांगडोंग प्रांतह्ल में हुआ। इससे संक्रमित व्यक्तियों में श्वसन सम्बन्धी जटिल समस्याएं पैदा हुईं और सैकड़ों लोग मारे गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बीमारी को ह्लविश्व व्यापी स्वास्थ्य खतराह्लघोषित किया था। तीसरा रोग कोविड -19 था जिसका कारण वायरस रअफ्ठ-उङ्ग्श-2 था। इस रोग की शुरूवात भी 2019 में चीन के ह्यवुहानह्ल शहर से हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस रोग को ह्यविश्व व्यापी महामारीह्ल घोषित किया।इस बीमारी ने दुनिया भर में लाखों लोगों की जान ली,आर्थिक संकट पैदा किया, विकास की रफ्तार को धीमा किया।कोरोना महामारी के नियंत्रण और बचाव में, पुनः जन-जीवन सामान्य करने में चिकित्सा वैज्ञानिकों द्वारा दिन-रात शोध और परिश्रम से रिकॉर्ड कम समय में वैक्सीन विकास, निमार्ण तथा प्रयोग (व्यापक टीकाकरण) ने बहुत मदद की। खुलकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी कोरोना महामारी से मुक्ति दिलाने में बहुत काम आया।अभी कोरोना से चीन सहित पूरी दुनिया राहत की सांस भी नहीं ले पाई थी कि चीन में तेजी से फैल रही नई रहस्यमय बीमारी ने दुनिया को एक बार फिर डाराना आरंभ कर दिया है।

इस बार भी इसका उदय चीन में हुआ है। वैज्ञानिक इसे एक प्रकार का निमोनिया मान रहे हैं जो बच्चों को तेजी से प्रभावित कर रहा है। चाइना की मानें तो इस रोग के लक्षणों में गले और फैफडों. में सूजन, सांस लेने में दिक्कत,खराश, थकान,तेज बुखार, लंबे समय तक रहने वाली खासी प्रमुख है। इस रोग के जटिल होने पर फैफड़ों में पिंड (गांठ)भी विकसित हो सकता है।

# फिलिस्तीन की चप्पलें

**जोड़ियों** में रहने वाले चप्पल जब तक जोड़ियों में रहे तब तक दुनिया में शांति बनी रहती है। इनके अलग-थलग पड़ने से मायने बदल जाते हैं। दृश्य बदल जाते हैं। प्रायः जोड़ियों में रहने वाले चप्पल आजकल अलग-अलग साइज के एकल चप्पलों के साथ इधर-उधर बिखरे हुए हैं। जिधर देखो उधर अपने बिरादर से बिछुड़े हुए एकल चप्पल ही नजर आते हैं। अलग-अलग रंग के। अलग-अलग ढंग के। हैं तो चप्पल ही। इनमें कुछ नए चप्पल भी हैं। ढूँढ़ने की लाख कोशिश की, लेकिन जोड़ीदार चप्पल का कहीं अता-पता नहीं है। वैसे जोड़ीदार चप्पल गए तो गए, गए कहाँ? क्या इन्हें जमीन खा गयी या फिर आसमान निगल गया। एक बार के लिए मान भी लेते हैं कि यह स्थल कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या फिर स्कूल है। किंतु ऐसा भी नहीं है। यहाँ तो लोगों का जमघट लगा रहता है। एकल चप्पल पहनकर घूमने का सवाल ही नहीं उठता। सोचा इन चप्पलों को पहनने वाले पैर कहीं गए होंगे। लौट आयेंगे। समय बूढ़े पत्तों की तरह पल-पल झड़ता ही जा रहा है, लेकिन उन पैरों का कहीं नामों-निशान नहीं हैं। गए तो गए, गए कहाँ?

इंसान हर चीज से प्यार करता है। यहाँ तक कि चप्पलों से भी। चप्पल छोड़कर जाना भी हो तो बड़ी सुरक्षित जगह पर छोड़ जाता है। लगता है वह इन चप्पलों को भूल गया है। काश एकल चप्पल भी हमारी-तुम्हारी तरह साँस ले पाते। वे अपने आप अपनी जोड़ीदार चप्पल को ढूँढ़ लेते। एक बार के लिए मान भी लें कि चप्पलों की पॉलिश चली गयी है। या फिर टूटी चप्पल मरम्मत के लिए मोची की दुकान पर पड़ी सुस्ता रही है। लेकिन तस्वीर इसके एकदम उलट हैं। इन एकल चप्पलों पर कुत्ते अपने दाँत गड़ा रहे हैं। ये चप्पल अपने मालिक को ढूँढ़ रही हैं। हजारों रुपए खर्च कर इन्हें खरीदने वाले बड़े बदनसीब हैं। वे एक बार के लिए इन्हें पहन भी नहीं पाए। न जाने इन्हें छोड़कर इंसानी पुतले कहाँ चले गए। कुछ चप्पल काटत भी थे। कुछ चप्पल साइज में छोटे भी थे। फिर भी जबरन पहनने वाले इनके मालिक आखिर गए तो गए, गए कहाँ? वैसे भी यहाँ इंसान के गिरते चरित्र की तुलना चप्पल से की जाती है। आज इंसान गायब है, चप्पल जिंदा है। कुछ अभागन के पैरों की लाली भी नहीं सूखी थी, वे चप्पल छोड़ इस दुनिया को अलविदा कह गयीं। आज दुनिया में चप्पल ज्यादा हैं, इंसान कम है।

## न्यूज फ्लैश

### सरकार गम्भीरता से कर रही है जन समस्याओं का समाधान

**पानीपत/टीम एक्शन इंडिया/कमाल हुसैन**
**राज्यसभा सांसद** कार्तिकेय शर्मा ने कहा पानीपत के विभिन्न गांवो में मंगलवार को जनसंवाद कर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार हर वर्ग की भलाई के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। जन संवाद कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि के रूप में सभी जनप्रतिनिधि भाग ले रहे हैं और सभी सुझावों और समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने और देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य व शिक्षा सहित बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कर्तसंकल्प है। इसी कड़ी में जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाकर जन संवाद कार्यक्रमों के जरिये लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार के मंत्री, सांसद गण, विधायक गण प्रदेश के सभी गावों और शहरों के वार्डो में पहुंच कर वहां पर जन संवाद कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुन रहे है और मांगो और सुझावों को साँझे कर उनका मौके पर निवारण करवा रहे हैं। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि सरकार प्रत्येक वर्ग की भलाई के लिए लगातार कार्य कर रही है और प्रदेश के लोगों को हर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कृत संकल्प है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने लोगों की भलाई के लिए आयुष्मान योजना का विस्तार करते हुए प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चिरायु योजना को क्रियांवित किया है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ देना है। आज आयुष्मान योजना के तहत कोई भी लाभार्थी परिवार एक वर्ष में पांच लाख तक का इलाज मुफ्त में करवा सकता है। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह परिवार पहचान पत्र अवश्य बनवाएं ताकि उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर बैठे ही मिल सके। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की निति को क्रियान्वित किया जा रहा है। वहीं मैरिट के आधार पर योग्य युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही है। उन्होंने कहा कि योग्य युवाओं को सरकारी नौकरियों में उनका अधिकार मिल रहा है। इस अवसर पर भाजपा नेता हरपाल ढांडा, एसडीएम मनदीप कुमार, डीएसपी नरेंद्र सिंह, डीडीपीओ सुमित चौधरी, सीएमओ डॉ जयंत आहूजा, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता संजय शर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा को विभिन्न गांव में जन संवाद के तहत ग्राम पंचायत की ओर से पगड़ी पहनाकर व शाल भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

### भाजपा नेता अमित बिंदल ने किया गनौर विधानसभा के गांव का दौरा

**सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया**
**विधानसभा गन्नौर** के उलाना, बाय, चिरस्मि, गढ़ी गुलामा, गढ़ी कलां, अटैल विभिन्न गांव का भाजपा नेता अमित बिंदल ने जनसंपर्क अभियान के तहत दौरा किया जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा नेता अमित बिंदल ने गांव-गांव में जाकर भाजपा की नीतियों को बताया और गांव में जाकर के गांव वालों की समस्याएं भी सुनी और बहुत जल्द समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन भी दिया भाजपा नेता अमित बिंदल ने गांव-गांव जाकर के जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से मिले और गांव वालों ने भी भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कामों को देखते हुए भाजपा में अपनी आस्था जताई।

### कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल की माता के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंची राष्ट्रीय महासचिव कुमारी शैलजा

**पानीपत/कमाल हुसैन/टीम एक्शन इंडिया**
**छत्तीसगढ़** कांग्रेस की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव कांग्रेस बहन कुमारी शैलजा पानीपत शहरी विधानसभा से कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी संजय अग्रवाल के घर उनकी माता के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंची। आपको बता दे की 15 नवंबर को कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल की माता कृष्णा देवी अपने संसार की यात्रा पूरी करके प्रभु चरणों में लीन हो गई। जिनकी दुखद खबर सुनकर राष्ट्रीय महासचिव बहन कुमारी शैलजा आज उनके निवास स्थान पर पहुंची' इस दौरान बहन कुमारी शैलजा ने परिवार के सभी सदस्यों से मिल दुख सांझा किया और परमपिता परमात्मा से विनती की की परम पूजनीय माता स्व श्रीमती कृष्णा देवी को भगवान अपने चरणों में जगह दे।

# विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर अधिकारियों को दिये निर्देश

## दस गांवों का रूट प्लान फाइनल, रोजाना दो गांवों में पहुंचेगी यात्रा

**करनाल/टीम एक्शन इंडिया**
**अतिरिक्ति** उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने आज यहां विकसित भारत संकल्प जन संवाद यात्रा को लेकर जिला के विभिन्नि विभागों के अधिकारियों से साथ बैठक की और जरूरी निर्देश दिये। यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से 10 गांवों का रूट प्लान फाइनल कर दिया गया है। यात्रा रोजाना दो गांवों में पहुंचेगी। एक कार्यक्रम दोपहर से पहले और दूसरा दोहपर बाद आयोजित किया जायेगा।

डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि सबसे पहले वैन के गांव में पहुंचने पर समिति द्वारा स्वागत किया जायेगा। इसके बाद मंच संचालक द्वारा कार्यक्रम की जानकारी दी जायेगी। बीडीपीओ को निर्देश दिये कि अच्छे मंच संचालन का चयन समय रहते कर लिया जाये। तदुपरांत ऑडियो के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया जायेगा। फिर विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित फिल्म (ग्रामीण) प्रदर्शित की जायेगी, जिसकी अवधि दस मिनट की होगी। इसके बाद लोक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम पेश किया जायेगा। मेरी कहानी-मेरी जुबानी के तहत गांव के लाभार्थियों द्वारा अनुभव सांझा किये जायेंगे। इसके लिये दस मिनट का समय निर्धारित किया गया है। अनुभव प्रस्तुति के बाद बीस मिनट की अवधि वाली विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित हरियाणवी फिल्म दिखाई जायेगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद ड्रोन प्रदर्शन एवं प्रगतिशील किसानों से बातचीत और लोक कलाकारों द्वारा दूसरी प्रस्तुति पेश की जायेगी। फिर विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन मौके पर ही किया जायेगा। डा. वैशाली शर्मा के अनुसार इसके बाद संकल्प शपथ का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि संकल्प शपथ में अधिकाधिक लोग भाग लें।

## विकास कार्यों की गुणवत्ता पर आम जनता रखे बारिकी से नजर: हरविंद्र कल्याण

**करनाल/टीम एक्शन इंडिया**
**विधायक हरविन्द्र** कल्याण ने 98 लाख रुपये की लागत से निगम क्षेत्र में निमार्णाधीन गलियों तथा फूसगढ़ में 22 लाख की लागत से बनने वाली बाल्मीकि चौपाल का निरीक्षण किया तथा उपस्थित लोगों को कहा कि आपके आसपास कोई भी विकास कार्य शुरू होता गई तो आप उसपर बारिकी से नजर रखें, ताकि किसी भी प्रकार की कमी मिले तो उन्हें सूचना दें। विधायक हरविंद्र कल्याण ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करवाया जाए। इस दौरान कॉलोनी निवासियों ने क्षेत्र के विधायक हरविंद्र कल्याण का हो रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया क्योंकि भाजपा सरकार के कार्यकाल से पहले इन सभी कॉलोनीयो की बुरी दुर्दशा थी लेकिन भाजपा सरकार के सत्ता मे आने के बाद ही इन कॉलोनीयों को वैध कराया ताकि यहाँ के निवासियों को भी गली, सीवर, पिने के पानी सहित अन्य सुविधाएं मिल सके।

## रैडक्रॉस के तत्वाधान में लगाया गया रक्तदान शिविर

**करनाल/टीम एक्शन इंडिया**
**कल्पना चावला** मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में रैडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर में स्थानीय श्री सत्य सांई सेवा समिति द्वारा भी सहयोग किया गया। इस अवसर पर रैडक्रॉस के सचिव कुलबीर मलिक ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में युवाओं का हौसला बढाने हेतू जिला रैडक्रॉस सदस्य अशोक कुमार ने भी रक्तदान कर उनको जागरूक करने का काम किया। इस रक्तदान शिविर में लगभग 25 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस अवसर पर रैडक्रॉस के सचिव कुलबीर मलिक ने कहा कि हम रक्तदान कर किसी भी अनजान सदस्य को नया जीवन देने का काम कर सकते हैं। एक रक्तवीर चार लोगों की जिंदगी बचा सकता है, इसलिए जीवन में हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने आमजन से आग्रह करते हुए कहा कि सभी स्वस्थ व्यक्ति जिनकी उम्र 18 वर्ष से ऊपर है, वे रक्तदान कर सकते हैं।
उन्होंने कहा कि रक्तदान का यह कार्य सामाजिक सरोकार से जुड़ा है।

## चोरी करने की दो घटनाओं मे संलिप्त एक महिला सहित चार गिरफ्तार

**सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया**
जिले के थाना मुरथल की पुलिस ने चोरी करने की घटना मे संलिप्त दो आरोपी गिरफ्तार किये है। गिरफ्तार आरोपी बलिन्द्र पुत्र जरनैल सिँह व अमनदीप पुत्र चन्द्र शेखर वासी सुन्दर नगर पंजाब के रहने वाले है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि गत 29 मार्च को निमेश गुप्ता पुत्र सुशील गुप्ता वासी शालीमार बाग दिल्ली ने थाना मुरथल में शिकायत दी थी कि दिनांक 20-03-2023 की रात को सोनू पुत्र जैन सिंह व बलजेन्द्र गाडी में चावल लेकर गाडी खाली करने के लिए आये थे जो दिनांक 21/22-03-2023 की रात को सोनू पुत्र जेनसिह ने गोदाम के अन्दर बने केबिन से पैकिग मशीन का हिटंर और सिलर चोरी करके ले गया है

## गन्नौर: शमशान घाट में संगठन ने करवाई भगवान शिव की मूर्ति की स्थापना

**गन्नौर। टीम एक्शन इंडिया**
**खेड़ी गुज्जर गांव** के शमशान घाट में श्रीराम कल्याणकारी संगठन द्वारा संगठन के प्रधान राजपाल छौक्कर के नेतृत्व में भगवान शिव की मूर्ति की स्थापना करवाई गई। जिसमें संगठन के पदाधिकारियों ने सहयोग किया। संगठन के प्रधान राजपाल छौक्कर ने कहा कि शिवजी को संहारक माना गया है यानी इस सृष्टि का संहार शिवजी ही करेंगे। पुरानी मान्यताओं के अनुसार ये सृष्टि बनती-बिगड़ती रहती है। भगवान ब्रह्मा सृष्टि की रचना करते हैं और विष्णुजी इसका पालन करते हैं। भगवान शिव कलियुग के समाप्त होने पर इसका संहार करते हैं। श्मशान में ही जीवन का अंत होता है, वहां सब कुछ भस्म हो जाता है। इसीलिए शिवजी का निवास ऐसी जगह है, जहां मानव शरीर, उससे जुड़े सारे रिश्ते, सारे मोह, सारे बंधन खत्म हो जाते है। जीवों की मृत्यु के बाद आत्मा शिवजी में ही समा जाती है। इस मौके पर राजपाल,अमित,पलेराम, देवेंद्र, रवि, धर्मबीर, सुधीर,सत्यवान,मंगल, बिजेन्द्र, रेवत फौजी, विनोद, बलबीर, सुनील आदि मौजूद थे।

# रीमा के प्रयास से राई की फैक्ट्रीयों में हनुमान चालीस पाठ का शुभारंभ

## उद्योगपति एवं रीमा एसोसिएशन के प्रधान राकेश देवगन ने कहा कि हिन्दुत्व राष्ट्र बनाने का प्रयास

**गन्नौर। टीम एक्शन इंडिया**
**राई औद्योगिक** क्षेत्र मे 13 फैक्ट्रीयो मे श्री हनुमान चालीस का पाठ का शुभारंभ किया गया। अब प्रत्येक मंगलवार को पाठ व हर महीने सामुहिक पाठ करेंगे। उद्योगपति एवं रीमा एसोसिएशन के प्रधान राकेश देवगन ने बताया कि कुछ समय बाद श्री हनुमान चालीस प्रत्येक फैक्ट्री में होगी। राकेश देवगन ने कहा कि हिन्दुत्व राष्ट्र बनाने में हमारा एक प्रयास है। इस मौके पर पारस पैकेजिंग, सिवनी पैकेजिंग, हंस राबड़, जे पायेरस, विजय आटो,एस,डी.एम. पाईप,ए.जी एगरोटेक, सैन पैकेजिंग,आरिहन्त प्रिन्टर,पराईमाज इलेक्ट्रिकल,गरेवोलाइट इण्डिया आदि कंपनी में चालीसा का पाठ किया गया।

रीमा एसोसिएशन के प्रधान राकेश देवगन ने बताया हिंदू धर्म के अनुसार हनुमान की पूजा से शुभ फलों की प्राप्ति,समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। मान्यता है कि जो कोई भी भगवान हनुमान की पूजा करता है, वह समृद्धि, धन, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर हो जाता है। हनुमान जी को प्रसन्न करने के एक उपाय में से है हनुमान चालीसा का पाठ। चालीसा के नियमित पाठ से भगवान प्रसन्न होते हैं और समस्त कष्टों से मुक्ति दिलाते हैं। हनुमान चालीसा में लगभग 40 चौपाइयां शामिल हैं। यदि आप घर में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो हमेशा शुद्ध तन और मन से मंदिर में दीपक प्रज्ज्वलित करके हनुमान जी का ध्यान करते हुए पाठ करें। सुनिश्चित करें कि आपको भूलकर भी तामसिक भोजन या मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आप हनुमान जी के क्रोध का पात्र बन सकते हैं। हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी हैं और हमेशा तामसिक भोजन से दूर रहने वाले हैं।

## प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर पानीपत ग्रामीण का होगा चहुमुखी विकास

**पानीपत/कमाल हुसैन**
**पूर्व मुख्यमंत्री** भूपेंद्र सिंह हुड्डा,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान हरियाणा कांग्रेस व राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा में कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के द्वारा पानीपत ग्रामीण के विभिन्न गांवों और अनेकों कॉलोनियों में आर्य सुरेश मलिक ( उप प्रधान जिला परिषद पानीपत) और पानीपत जिले के प्रभारी मनीष झा के साथ संगठन निर्माण के उद्देश्य हेतु साथियों से मिलना हुआ। जिनमें साथियों से पार्टी की नीतियों को समझने व जुड़ने का आहवान किया व पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार करने और संगठन विस्तार को लेकर चर्चा हुई। जिस उत्साह के साथ साथियों ने जगह जगह पर ताबड़तोड़ मीटिंगे कराई 'कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उन्हे कांग्रेस की जन हितैषी नीतियों से अवगत करा रहे हैं। आर्य सुरेश मलिक ने हल्का पानीपत ग्रामीण की कालोनियों में 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के तहत जनता को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 9वर्ष के शासन काल में भाजपा सरकार ने जनता के हित में कोई भी कार्य नहीं किया। प्रदेश की कालोनियों में आज भी जनता बिजली, पानी, सड़कें आदि मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। और प्रदेश की वर्तमान सरकार अपनी जेबें भरने में लगी हुई है। आज महंगाई के मामले में प्रदेश शीर्ष पर है और प्रदेश में आए दिन लूट, हत्या, अपहरण, बलात्कार, फिरौती आदि में शीर्ष पर है । लेकिन जनविरोधी सरकार केवल अपनी जेब भरने में लगी हुई है। आज भ्रष्टाचार, महंगाई के मामलें में में अव्वल है प्रदेश के जन जन में इस जनविरोधी सरकार के प्रति रोष है जिसके चलते चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने पर बुजुर्गों को 6000 रुपए पेंशन दी जाएगी।

## हत्या की घटना में संलिप्त एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

**सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया**
जिले के थाना मुरथल की पुलिस ने गोली मारकर हत्या करने की घटना मे संलिप्त एक और आरोपी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बाबुलाल पुत्र सोहनलाला वासी रघुबीर नगर टैगोर गार्डन दिल्ली का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि गत 09 अप्रैल को सुरजभान पुत्र केहर सिँह गांव कुराड इब्राहिमपुर ने थाना मु?थल पुलिस को शिकायत दी कि दिनांक 08.04.2023 मेरे पोते सचिन पुत्र सुरेश को राजेश पुत्र सुबे सिह वासी कुराड ने गोली मारी है। इस घटना का भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं के अन्तर्गत थाना मुरथल में अभियोग दर्ज किया गया था। थाना मुरथल के अनुसंधानकर्ता सहायक उप निरीक्षक संदीप ने अपनी पुलिस टीम के साथ आरोपियों की खोजबीन करते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपी राजेश उर्फ राजे वासी कुराड जिला सोनीपत व रविन्द्र पुत्र निरंजन वासी मलिकपुर बागपत उत्तर प्रदेश को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायालय के

## मार्डन स्कूल में चरित्र निर्माण को लेकर किया जागरूक

**राई। टीम एक्शन इंडिया**
**बाल जागृति** मार्डन स्कूल बहालगढ़ में शिक्षा का मूल उद्देश्य हैं चरित्र का निर्माण करना व शिक्षा के महत्व पर छात्रों को जागरूक किया। माउंट आबू राजस्थान से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने जागरूक किया। स्कूल पहुंचने पर भगवान भाई का स्कूल के निदेशक नरेन्द्र कुमार ने स्वागत किया। भगवान भाई ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि असत्य से सत्य की ओर ले जाना, बंधन से मुक्ति की ओर जाना लेकिन आज की शिक्षा भौतिकता की ओर ले जा रही है। भौतिक शिक्षा से भौतिकता की प्राप्ति होती है और नैतिक शिक्षा से चरित्र बनता है।

इसलिए वर्तमान के समय प्रमाण भौतिक शिक्षा के साथ साथ बच्चो को नैतिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। नैतिक शिक्षा ही मानव को मानव बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है।
सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। डायरेक्टर नरेंद्र कुमार ने कहा की नैतिक शिक्षा से ही छात्र-छात्राओं में सशक्तिकरण आ सकता है। उन्होंने आगे बताया कि नैतिकता के बिना जीवन अंधकार में हैं। नैतिक मूल्यों की कमी के कारण अज्ञानता, सामाजिक, कुरीतियां व्यन, नशा, व्यभिचार आदि के कारण समाज पतन की और जाता है।

# महिलाओं के उत्थान के लिए किया विशेष तौर पर कार्य

## ज्योतिबा फूले का नाम भारतीय इतिहास के प्रमुख समाज सुधारकों में गिना जाता है: सुमिता

**करनाल/टीम एक्शन इंडिया**
**पूर्व विधायक** सुमिता सिंह ने हांसी रोड पर उनके नेतृत्व में जागीर सैनी जिला प्रधान कांग्रेस सेवादल करनाल की कार्यकारिणी के साथ शिक्षा व सामाजिक क्रांति के जनक के 133वें महा परि निर्वाण दिवस पर ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर फूल अर्पित किए।
सुमिता सिंह ने कहा कि ज्योतिबा फूले का नाम भारतीय इतिहास के प्रमुख समाज सुधारकों में गिना जाता है। 19वीं सदी में भारतीय समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ जीवनभर संघर्ष करते रहे। उन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष तौर पर कार्य किया। इसमें महिलाओं के लिए शिक्षा से लेकर नवजात शिशुओं की हत्या रोकने के लिए अनाथ आश्रम तक खोल दिए थे। इतना ही नहीं उन्होंने समाज में प्रभावी बदलाव लाने के लिए सभी धर्म और वर्गों को साथ लेकर चलने का सार्थक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि देश में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले ने गरीबों, महिलाओं, दलितों एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान तथा सामाजिक जरताओं व कुरीतियों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका पूरा नाम ज्योति राव गोविंद राव फुले था। उन्हें ज्योतिबा फुले या महात्मा फुले के नाम से जाना जाता था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले सितारा से पुणे जाकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करने लगा था। माली के काम में लगे यह लोग फूलों के नाम से जाने जाते थे। सुमिता सिंह ने कहा कि ज्योतिबा फुले का जीवन और उनके विचार व महान कार्य आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। इस मौके पर सेवादल के प्रदेश सचिव अशोक कांबोज, जिला अध्यक्ष जागीर सैनी, महिला जिला अध्यक्ष नीलम मल्होत्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष तेजान, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार जोगा अघी, जिला महासचिव परमजीत वाल्मीकि, कर्म सिंह भुक्कल, सरोज राणा, सुषमा राणा, सलीम खान एवं संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

## बहादुरगढ़ में पहली बार हुआ स्कूल में मॉडल युनाइटिड नेशनस का आयोजन

**सिद्धार्थ राव/बहादुरगढ़**
**पीडीएम** स्कूल में मॉडल युनाइटिड नेशनस का आयोजन किया गया। यह पहला अवसर था जब बहादुरगद में किसी स्कूल में एमयूएन अर्थात मॉडल युनाइटिड नेशनस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वति वन्दना से हुई। जिसके बाद विद्यालय प्राचार्या सुमन हुड्?डा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए एमयूएन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एमयूएन विद्यार्थियों को एक ऐसा प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है जिसमे विद्यार्थी अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर जानकारी रखते हुए एक दूसरे से अपने विचार साझा करते हैं और अपना ज्ञानवर्धन करते है। सयुक्त राष्ट्र संघ में भी प्रस्ताव संख्या 17/336 को स्वीकार करते हुए एमयूएन के महत्व को स्वीकार किया है।, उन्होने यह भी बताया कि विदेश जाकर पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थियों को प्रवेश में विशेष फायदा मिलता है। इसके प्रश्चात अधिवेशन की शुरूआत हुई। इसमे 9 स्कूलों की कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक टीम को एक देश प्रतिनिधित्व करना था। आज का विषय युद्ध और इसके सामाजिक सुरक्षा एवं मानव अधिकार पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव' सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ अपने अपने विचार रखे । अधिवेशन को अध्यक्षता स्नेहलता चौहान ने की। वह गाजियाबाद स्कूल में कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत है एवं उन्हें एमयूएन का 10 सालो का अनुभव है। अन्त में प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस सेशन में पीडीएम पब्लिक स्कूल की कृष्णा एव लुशा को सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी के तौर पर चुना गया ।

## जानकारी

# सर्वाइकल के दर्द से छुटकारे के लिए योग बेहतर उपाय

रीढ़ की हड्डी के कमजोर होने के कारण गर्दन और कंधों में दर्द होता है, जिसे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या कहा जाता है। आम भाषा में लोग इसे सर्वाइकल का दर्द कहते हैं। सर्वाइकल की समस्या महिलाओं में अधिक पाई जाती है, क्योंकि ज्यादातर महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई जाती है, जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। आमतौर पर ये समस्या उम्र बढ़ने पर हड्डियों में आने वाली कमजोरी से होती है।

इन दिनों लोगों में सर्वाइकल की समस्या काफी बढ़ गई है, क्योंकि बैठने वाली जॉब के कारण लोगों की रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर दबाव काफी बढ़ गया है। सर्वाइकल के दर्द के कारण व्यक्ति को बैठने, लेटने, सोने और रोजमर्रा के कामों में बहुत परेशानी होती है। भारत की बात करें तो एक मैगजीन में छपी एक खबर के मुताबिक 53 में से 1 भारतीय महिलाएं सर्वाइकल से पीड़ित हैं और लगभग 17 महिलाओं की इससे मौत हो जाती है। सर्वाइकल के दर्द से राहत पाने के लिए योगासन बहुत मददगार हो सकते हैं।

शरीर को फुर्तीला बनाने के लिए योग एक अच्छा विकल्प है। ऐसे ही कई बार जब हमें झुकना पड़ता है, तब हमारी पीठ और गर्दन में दर्द होने लगता है। इस दर्द का सिर्फ एक कारण है, वो है हमारी रीढ़ की हड्डी कमजोर और इसमें लचीलापन न होना। अगर हमारी रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होगा तो हमारा शरीर अधिक सक्रिय होने लगेगा। इसलिए रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होना आवश्यक है। अगर आप रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाना चाहते हैं तो आपको मर्जरासन करना चाहिए। रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने के लिए मर्जरासन बेहद फायदेमंद है।

**मर्जरासन करने का तरीका:** मर्जरासन करने के लिए अपने घुटने जमीन पर टिका लें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से नितंब को ऊपर की ओर उठा लें। इस अवस्था में गहरी सांस लें और अपनी क्षमतानुसार इस अवस्था में बने रहें। इस आसन के नियमित अभ्यास से आपकी रीढ़ की हड्डी लचीली हो जाएगी।

**मर्जरासन के लाभ:** मर्जरासन करने से पाचन क्रिया दुरुस्त होती है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आने लगता है। मर्जरासन कब्ज की समस्या का रामबाण इलाज है।

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया, जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव। चूंकि देश में 55 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया यानी रक्ताल्पता की समस्या से ग्रस्त है, जो उनकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह है। क्यों होती है ऐसी समस्या और कैसे करें इससे बचाव, आइए जानते हैं।

# रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया

### जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव

अगर किसी महिला के रक्त में हीमोग्लोबिन का लेवल 12 और पुरुष में 13 ग्राम से कम हो, तो उसे एनीमिया से ग्रस्त माना जाता है। वैसे तो पुरुषों में भी एनीमिया के लक्षण पाए जाते हैं पर स्त्रियों को यह समस्या ज्यादा परेशान करती है। दरअसल मासिक चक्र के दौरान अधिक रक्तस्राव इसकी प्रमुख वजह है। इसके अलावा पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण अधिकतर स्त्रियां अपनी सेहत और खानपान पर ध्यान नहीं देतीं, जिसकी वजह से उनके शरीर में खून की कमी हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जागरूकता के अभाव में आज भी कुछ लोग बेटियों के पोषण पर ध्यान नहीं देते, जिससे स्कूली छात्राओं के शरीर में खून की कमी हो जाती है। एनीमिया को अक्सर लोग निर्धनता से जोड़कर देखते हैं, जबकि कई बार शहरों में रहने वाली शिक्षित स्त्रियां भी रक्ताल्पता से ग्रस्त होती हैं। एक सर्वे के मुताबिक, अगर बात करें तो भारत में 58.6 प्रतिशत बच्चे, 53.2 प्रतिशत गैर-गर्भवती महिलाएं और 50.4 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिक पाई गईं। भारत 50 वर्षों से एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम होने के बावजूद बीमारी का सबसे अधिक बोझ वहन करता है।

## यह समस्या किसी स्त्री के जीवन को किस तरह प्रभावित करती है?

एनीमिया के कारण लड़कियों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सही ढंग से नहीं हो पाता। इससे उनमें ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कमजोर हो जाती है, जिसका परीक्षा के रिजल्ट पर बुरा असर पड़ता है। इसी वजह से जरूरतमंद वर्ग की लड़कियां हाई स्कूल में ही पढ़ाई अधूरी छोड़ देती हैं। जागरूकता के अभाव में अभिभावक और शिक्षक समस्या की असली वजह समझे बिना बच्चियों को मंदबुद्धि और पढ़ाई के मामले में लापरवाह समझने लगते हैं। शरीर में खून की कमी होने के कारण स्त्रियों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है।

### गर्भावस्था के दौरान शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कितना होना चाहिए?

प्रेग्नेंसी के दौरान स्त्री के यूट्रस और उसके आसपास हिस्सों का तेजी से वॉल्यूम एक्सपेंशन हो रहा होता है। इसके साथ ही गर्भस्थ शिशु को भी मां के शरीर से ही आहार मिलता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी के तीसरे चरण में स्त्री के हीमोग्लोबिन के स्तर में 1-2 ग्राम की गिरावट आ जाती है। इसीलिए कंसीव करने से पहले स्त्री के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 ग्राम से अधिक होना चाहिए और सभी स्त्रियों को शादी के बाद हर तीन महीने के अंतराल पर सीबीसी यानी टोटल ब्लड काउंट टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।

### एनीमिया की वजह से गर्भावस्था में क्या दिक्कतें हो सकती हैं?

इससे मिसकैरेज की आशंका बढ़ जाती है। गर्भस्थ शिशु का ब्रेन सहित पूरे शरीर का विकास सही ढंग से नहीं हो पाता, प्रीमैच्योर डिलीवरी या जन्म के समय शिशु के मौत आशंका बढ़ जाती है।

### शरीर को सही ढंग से आयरन का प्रदान करने के लिए क्या खाएं?

शरीर में आयरन का अवशोषण सही हो इसके लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ संतरा, नींबू, चकोतरा और मौसमी जैसे फलों का सेवन करना चाहिए। आयरन के साथ कैल्शियम का इस्तेमाल न करें। इससे ये दोनों ही तत्व शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं दे पाते। आयरनयुक्त फलों या सब्जियों के साथ किसी भी मिल्क प्रोडक्ट का सेवन नहीं करना चाहिए। फल या हरी पत्तेदार सब्जियां खाने के दो घंटे पहले या बाद में दूध-दही जैसे पदार्थों का सेवन किया जाए।

**एनीमिया के लक्षणों की पहचान कैसे करें?**

अक्सर थकान, कमजोरी, आंखों के आगे अंधेरा छाना, चक्कर आना, निस्तेज त्वचा, हमेशा नींद आना, आंखों का भीतरी हिस्सा ज्यादा सफेद नजर आना आदि। सामान्य स्वस्थ व्यक्ति की हथेलियों, तलवों और नाखूनों में हल्का गुलाबीपन होता है लेकिन एनीमिया होने पर इन हिस्सों की रंगत बिल्कुल सफेद पड़ जाती है।

**एनीमिया से बचाव के लिए क्या करना चाहिए?**



अपनी डाइट में केला, सेब, अनार, खजूर, गुड़, मूंगफली, बादाम, चना, गाजर, चुकंदर के अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों को प्रमुखता से शामिल करें। हमेशा लोहे की कड़ाही में सब्जियां पकाएं, इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ़ जाती है। हरी सब्जियों को काटने के बाद न धोएं, इससे उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

### डायबिटीज में आयरन कैसे प्राप्त करें?

ऐसी स्थिति में सीमित मात्रा में खट्टे फल अपनी डाइट में शामिल करें। खजूर व गुड़ न खाएं, लेकिन चना, राजमा, बादाम, मूंगफली, रागी के अलावा सभी हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन और प्रोटीन से भरपूर होती हैं। इनका सेवन दोनों समस्याओं को नियंत्रित करता है।

### इसका उपचार कैसे होता है?

ऐसी स्थिति में आमतौर पर डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं। गंभीर स्थिति में आईवी (इंट्रावेनस) मेडिसिन के जरिए भी आयरन का डोज दिया जाता है, जिससे हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य हो जाता है, लेकिन एक्सपर्ट की सलाह के बगैर आयरन सप्लीमेंट का सेवन न करें।

## सेहत

# स्ट्रांग दिखाने के चक्कर में डिप्रेशन में आ रहे लड़के

एक आम जुमला है कि मर्द को दर्द नहीं होता। 1985 में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मर्द' से यह डायलॉग ज्यादा लोकप्रिय हुआ। समाज में पुरुषों की ऐसी छवि गढ़ी गई है कि मर्द रोता नहीं, क्योंकि रोना तो लड़कियों का काम है। अपने आपको 'मर्द' साबित करने के चक्कर में पूरी दुनिया में पुरुष खुद को इस छवि से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं और भयानक अवसाद के शिकार हैं। शारीरिक रूप से मजबूत दिखने के लिए स्टेरायड लेने की प्रवृत्ति भी युवा लड़कों में बढ़ी है। ऐसे पुरुषों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की दो टूक सलाह है - रो लेंगे तो अच्छे से जी लेंगे।

### देश में 26 फीसदी पुरुष खुदकुशी करते हैं, जबकि महिलाएं 16.4 प्रतिशत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मानसिक स्वास्थ्य पर एक रिपोर्ट जारी की। इसके हिसाब से भारत में हर दस हजार लोगों में से 25.8 प्रतिशत यानी 2580 पुरुष आत्महत्या करते हैं। इनकी आयु वर्ग 15 से 29 साल है। प्रति 10 हजार में महिलाओं के खुदकुशी करने का प्रतिशत 16.4 है। इस रिपोर्ट में भारत को ऐसे देशों की श्रेणी में 23वां स्थान दिया गया है, जहां पुरुष अन्य के मुकाबले ज्यादा आत्महत्या करते हैं।

**दुनिया में भी जान देने वालों में पुरुष अधिक :** विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, हर 40 सेकंड में एक आत्महत्या होती है। पूरी दुनिया में हर साल 8 लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिसमें पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है।

**भावनाएं जाहिर नहीं करने से कई तरह के मर्ज।** भावनाएं साझा न करने से पुरुषों में मानसिक अवसाद, सीजोफ्रेनिया, डिमेंशिया, अति सक्रियता जैसी बीमारियां हो जाती हैं। नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) ने अध्ययन में पाया कि सीजोफ्रेनिया के 25 प्रतिशत मरीजों के खुदखुशी कर लेने का खतरा होता है।

**बेरोजगारी बढ़ने पर ज्यादा खुदकुशी।** ब्रिटेन में पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम कर रही संस्था सीएएलएम का कहना है कि पुरुषों में बेरोजगारी बढ़ने पर आत्महत्या दर बढ़ती है। इस संस्था ने 2015 में किए अध्ययन में पाया कि हर एक प्रतिशत बेरोजगारी दर बढ़ने पर आत्महत्या करने की दर में 0.79 प्रतिशत वृद्धि होती है। अमेरिकी जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ कहता है कि खुदकुशी के लिए पुरुष बंदूक और फांसी जैसे तरीके अपनाते हैं, वहीं महिलाएं जहर खाने, नस काटने या नदी में डूबने जैसे तरीके अपनाती हैं।

### क्या कहता है अध्ययन

एक अध्ययन में माना गया है कि दुनियाभर का पितृसत्तात्मक समाज लड़कों या पुरुषों को 'मजबूत' बनाने के लिए अनुकूलित करता है। बचपन से ही लड़कों को यह बताया जाता है कि उन्हें लड़कियों की तरह रोना नहीं है, इतना ही नहीं उन्हें अपने संघर्ष और दुख जाहिर नहीं करने हैं। जेंडर अध्ययन कहता है कि महिला और पुरुष को खास तरीके में ढालने की सामाजिक संरचना के कारण ही पुरुष आज मानसिक अवसाद में हैं।

### महिलाएं 64 तो पुरुष मात्र 17 बार रोये

हॉलैंड के टिलबर्ग विश्वविद्यालय ने 37 देशों के पांच हजार लोगों के भावनात्मक रवैए पर अध्ययन किया। पाया गया कि सालभर में महिला 30 से 64 बार रोईं, जबकि पुरुषों के रोने के अवसर 6 से 17 ही थे। इसके साथ ही पुरुषों के रोने की अवधि और आंसुओं की मात्रा भी महिलाओं से कम थी। शोध में निष्कर्ष निकला कि पुरुषों के रोने की आदत देशों के सामाजिक-आर्थिक पालन पोषण के तरीकों पर निर्भर थी। यह भी पाया गया कि अमीर देशों में पुरुष खुलकर रोते हैं।

### भारत, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने उठाए विशेष कदम

- **भारत में 2017 में पहला कानून बना:** मानसिक अवसाद की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 2017 में भारत सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य कानून लागू किया। अभी इस ओर और अधिक जागरूकता लाए जाने की जरूरत है।
- **ऑस्ट्रेलिया में विशेष सहायता केंद्र:** यहां हर दस हजार में 12.6 फीसदी पुरुष आत्महत्या कर रहे थे। इसके समाधान के लिए यहां आर यू ओके प्रोग्राम चलाया गया। इसके लिए अवसाद ग्रस्त पुरुषों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे क्राइसिस सेंटर खुले।
- **ब्रिटेन ने आत्महत्या रोधी मंत्रालय खोला** : 2018 में ब्रिटेन ने आत्महत्या के मामलों की गंभीरता को देखते हुए देश में आत्महत्या रोधी मंत्री नियुक्त किया।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलाएंगी। शुभांक-3-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को ह): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्यवधानकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा यत्नपूर्वक दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहे। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

**तुला** (रा री रू रे रो ता ती तू ते): चलन-फिरन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुका पैसा की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो या यी यू): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। चार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

## काकुरो पहेली - 2661

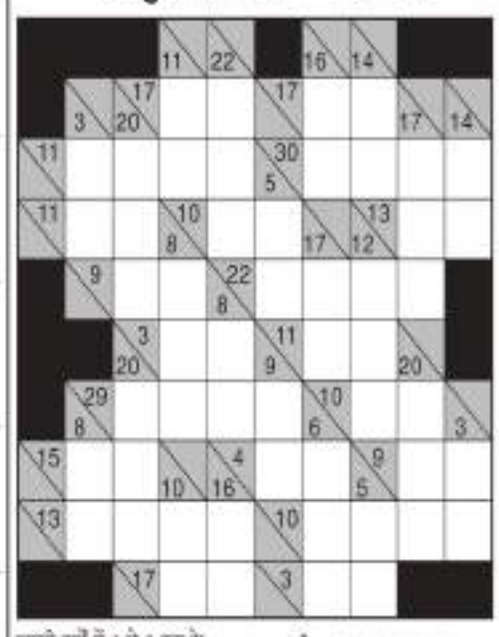



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2660 का हल



## हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलॉंग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह ! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

## फिल्म वर्ग पहेली- 2661



**बायें से दायें:-**

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ये मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, ओरोरो की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, पोनीसा की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. अभिरुपुर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, सध्या की फिल्म-५
१९. विवाह से पूर्व तीन अंधानी का सलोना क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-५
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ मेरी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरे पास कल्या घर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'साकी पुनसिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. दिले महिप, विराज बासु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे भेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने वही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सवाल' गीत वाली अमिताभ, अमजद, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, आयशा की फिल्म-४
१८. अक्षय कुमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लाख लाख लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, डेमी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज बाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

## सूडोकु -2661

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | | 3 | 1 | | | 8 | |
| 3 | 6 | | 2 | | 7 | | 9 | |
| | | 7 | | | 6 | | 2 | 1 |
| | 7 | | 1 | | | | | |
| 1 | 3 | | | 4 | | | 7 | 2 |
| | | | | | 5 | | 4 | |
| 6 | 2 | | 4 | | | 9 | | |
| | 5 | | 6 | | 9 | | 1 | 8 |
| | 1 | | | 5 | 3 | | 6 | 4 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2660 का हल



## शब्द पहेली - 2661



**बाएँ से दाएँ**

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, रुतबे वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खींचना,रेंगना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अल्पना-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैदा,जना-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाट-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -2660 का हल

## बांग्लादेश के कप्तान Najmul Shanto बोले- हमारे गेंदबाज बदल देंगे खेल

**सिलहट (बांग्लादेश)।** बांग्लादेश ने पिछले दो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्रों में सिर्फ एक मैच जीता है लेकिन नए कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को उम्मीद है कि उनके गेंदबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाली दो मैचों की श्रृंखला में टीम की किस्मत बदल सकते हैं। बांग्लादेश को डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र के पहले मैच में कप्तान शाकिब अल हसन, अनुभवी तमीम इकबाल और लिटन दास के अलावा तेज गेंदबाज इबादत हुसैन और तस्कीन अहमद की सेवाएं नहीं मिलेंगी। शाकिब, हुसैन और तस्कीन चोटिल हैं जबकि तमीम टीम से बाहर है और लिटन पितृत्व अवकाश पर है। हाल में एकदिवसीय विश्व कप में 2 मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी करने वाले शान्तो पहली बार टेस्ट में टीम का नेतृत्व करेंगे। शान्तो ने मैच से पहले कहा कि मुझे टीम की गेंदबाजी आक्रमण पर भरोसा है। हमारे पास घरेलू मैदान पर मैच जीतने की क्षमता है। हमें बस अपनी क्षमता पर भरोसा रखना होगा और इसे आदत बनानी होगी।

## रोनाल्डो ने दिखाई खेल भावना, पेनल्टी लेने से किया इनकार

**रियाद ।** अल नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यहां खेल भावना का शानदार नजारा पेश करते हुए ईरान के पर्सेपोलिस क्लब के खिलाफ एशियाई चैम्पियंस लीग (एसीएल) के गोलरहित ड्रा मुकाबले में खुद को मिले पेनल्टी मौके को रद्द करने में मदद की। रोनाल्डो मैच के शुरूआत में ही बॉक्स के अंदर गिर गए और रैफरी ने तुरंत ही पेनल्टी प्रदान कर दी। लेकिन रोनाल्डो ईमानदारी दिखाते हुए इस पेनल्टी का विरोध कर रहे पर्सेपोलिस के खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए। फिर रैफरी मा निंग ने पिच के पास लगे मॉनिटर पर इसकी जांच की और अपने फैसले को पलट दिया। अल नासर के डिफेंडर अली लाजिमी को मैच के 17 मिनट के अंदर ही लाल कार्ड दिखा दिया गया जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान पर थी। अल नासर ग्रुप ई विजेता के तौर पर पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इसी ग्रुप में कतर के अल दुहेल ने ताजिकिस्तान के इस्तिकलोल को 2-0 से हराकर पहली जीत हासिल की जिसमें कीनिया के स्ट्राइकर माइकल ओलुंगा ने दोनों गोल दागे। ग्रुप सी में सऊदी अरब चैम्पियन अल इत्तिहाद ने उज्बेकिस्तान के एजीएमके को 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में क्वालीफाई किया।

## सूर्यकुमार यादव का बड़ा दावा- यह युवा खिलाड़ी लगता है धोनी की तरह

**नई दिल्ली।** क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारतीय टीम के नाराज प्रशंसक अब संभलते नजर आ रहे हैं क्योंकि टीम इंडिया ने चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। दोनों मैचों में मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रिंकू सिंह का बढ़िया योगदान देखने को मिला था। दूसरे टी 20 मुकाबले में तो रिंकू ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। रिंकू सिंह की काबलियत देखकर मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी तुलना महेंद्र सिंह धोनी से की है।

मुरली कार्तिक से बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने रिंकू सिंह पर बातचीत करते हुए कहा कि वह वास्तव में शांत है। पिछले गेम में, वह तब आउट हुए जब भारत को लगभग 20 गेंदों पर 42 रन चाहिए थे। उन्होंने बिना किसी दबाव के खेला। आज के खेल में, उनके पास दो ओवर थे और हम 220-225 रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वह हमें 235 तक ले गए। रिंकू सिंह जिस तरह से खेल खत्म करता है वह मुझे किसी की याद दिलाता है। जब मुरली कार्तिक ने उक्त क्रिकेटर के बारे में पूछा तो सूर्यकुमार ने कहा कि हर कोई उस व्यक्ति के बारे में जानता है। उन्होंने इतने सालों तक भारत के लिए यही काम किया। सूर्या भारत के पूर्व खिलाड़ी के बारे में बात कर रहे थे, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व करते हैं। वहीं, दूसरे टी20 में शानदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह ने भी इसपर बात की थी।

## टी20 सीरीज : स्टूडेंट्स को एक हजार रुपये में मिलेंगे ऑफलाइन टिकट

**रायपुर।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का चौथा मैच राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 1 दिसंबर को खेला जाएगा। यह मैच शाम 7 बजे से खेला जाएगा। मैच की टिकट की ऑनलाइन बुकिंग जारी है। वहीं आज मंगलवार से ऑफलाइन टिकट की बिक्री सुबह 11 बजे से शुरू होगी, जिसमें स्टूडेंट्स को 1000 में टिकट मिलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया मैच के लिए छात्रों को 1000 रुपये में टिकट उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी बिक्री आज सुबह 11 बजे से (टिकट समाप्त होने तक) सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बुढ़ापारा, रायपुर में ऑफलाइन उपलब्ध होगी। इसके लिए छात्रों को अपना परिचय पत्र दिखाना होगा, साथ ही पहचान पत्र की एक फोटो कॉपी काउंटर में जमा करनी होगी, जिसके बाद ही उन्हें टिकट मिलेगी।

## मुंबई इंडियंस में लौटते ही हार्दिक पांड्या का बयान आया सामने

**मुंबई।** स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस में लौटते ही प्रशंसकों के लिए मैसेज छोड़ा है। आईपीएल 2024 से पहले उनकी घर वापसी हुई है और वह गुजरात टाइटंस को छोड़ कर मुंबई इंडियंस में आ गए हैं। घर वापसी पर हार्दिक ने सबसे पहले एक्स पर एक ट्विट किया जिसमें उन्होंने लिखा- मैं गुजरात टाइटन्स टीम और प्रबंधन, प्रशंसकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। टीम का हिस्सा होना और इसका नेतृत्व करना एक अत्यंत सम्मान की बात है, और मैं एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में मुझे और मेरे परिवार को जो प्यार और प्रोत्साहन मिला है, उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। जीटी के साथ यादें और अनुभव हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेंगे। अविस्मरणीय यात्रा के लिए धन्यवाद।शाम को मुंबई इंडियंस के एक्स अकाउंट पर हार्दिक पांड्या की एक वीडियो भी आई जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों को एक संदेश दिया।हार्दिक की वापसी पर बोलते हुए आकाश अंबानी ने कहा कि हार्दिक को मुंबई इंडियंस में वापस देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह एक सुखद घर वापसी है। वह जिस भी टीम में खेलते हैं उसे बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं।वहीं, पांड्या की मुंबई टीम में वापसी पर टीम की मालिक नीता अंबानी ने कहा कि हम हार्दिक का घर वापसी पर स्वागत करते हुए रोमांचित हैं!

## युद्धवीर पहलवान ने ताचड़वां वार्षिक दंगल में जीता बुलेट मोटरसाइकिल

**अखनूर।** अखनूर क्षेत्र के ताचड़वां गांव में दंगल कमेटी ताचड़वां की ओर से वार्षिक दंगल का आयोजन किया गया। इस दौरान 110 कुश्तियां आयोजित की गईं। वार्षिक दंगल में पहली माली का मुकाबला दिल्ली के युद्धवीर पहलवान और जॉर्जिया के टीडो के बीच हुआ जिसमें युद्धवीर ने टीडो को पछाड़ कर बुलेट मोटरसाइकिल पर कब्जा किया।

वहीं 71000 रुपए की दूसरी बड़ी माली पंजाब के गुरतेज और राशिद दोमाना के बीच बराबरी पर छूटी। इस दंगल का आयोजन ताचड़वां दंगल कमेटी में चेयरमैन डीएसपी केडी भगत की अध्यक्षता में हुआ। ताचड़वां दंगल कमेटी के अध्यक्ष केडी भगत ने बताया की यह ऐतिहासिक दंगल कई वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। उन्होंने बताया की इस वर्ष के दंगल में जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र से मशहूर पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया इस दंगल को आयोजित करने के लिए स्थानीय लोगों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर टीम जम्मू के अध्यक्ष जोरावर सिंह जम्वाल, जिला विकास परिषद के सदस्य भूषण बराल, ब्लॉक विकास परिषद की अध्यक्षा सुषमा शर्मा, एसडीपीओ मोहन लाल शर्मा, थाना प्रभारी अखनूर जहीर मन्हास, नपा अखनूर के पूर्व प्रधान संजय सराफ व सुरिंदर शर्मा, जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संयुक्त सचिव रणवीर सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। दंगल कमेटी के सदस्य नायब सरपंच केवल कृष्ण शर्मा, कस्तूरी लाल, काका ने भी आयोजन में अहम योगदान दिया। दंगल में अखनूर पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे।

## एचसीएल ने सचिवालय को हराया, बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को दी मात

लखनऊ। इंटर आफिस क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में एचसीएल टेक ने सचिवालय की क्रिकेट टीम को 47 रन से मात दे दी। इस मैच में एचसीएल के रोहित शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिये। वहीं दूसरे मैच में बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को हरा दिया।

एचसीएल टेक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट गवांकर 183 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अर्पण सिंह ने सात चौका और दो छक्का की मदद से 29 बाल पर 46 रन बनाये। वहीं विभास निगम ने 33 रन का योगदान दिया, जबकि प्रसनजीत ने 32 रन बनाये। सचिवालय की टीम 136 रन पर ही ऑल आउट हो गयी और एचसीएल ने मैच को 47 रन से जीत लिया। सचिवालय के अभिषेक पाठक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 चौका और चार छक्का की मदद से 47 बाल पर 90 रन बनाये, लेकिन इसके बाद दूसरा कोई भी बल्लेबाज मैदान में टिक नहीं सका।

वहीं दूसरे मैच में बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को 63 रन से हरा दिया। बैंक आफ इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाये। राजा हुसैन सर्वाधिक 49 रन का योगदान दिया। वहीं विनोद तिवारी 42 रन बनाया। वहीं माइक्रोलिट की टीम 117 रन बना पाई और बैंक आफ इंडिया की टीम 63 रन से जीत गयी।

## कप्तानों के नाम के खुलासे के साथ हुई अबू धाबी टी10 की घोषणा

**अबू धाबी।** क्रिकेट के सबसे तेज़ प्रारूप-अबू धाबी टी10 के एक और विस्फोटक सीज़न की शुरुआत अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में कप्तानों की घोषणा के साथ हुई।

पिछले संस्करण में डेक्कन ग्लेडियेटर्स को खिताबी जीत दिलाने वाले वेस्टइंडीज के हेवी हिटर निकोलस पूरन को गत चैंपियंस ने आगामी सातवें संस्करण के लिए कप्तान के रूप में बरकरार रखा है। नया सीजन 28 नवंबर से 9 दिसंबर के बीच होगा। इस बीच, पिछले सीज़न के उपविजेता न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स और मॉरिसविले सैम्प आर्मी ने भी क्रमशः अनुभवी ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड और मोइन अली को कप्तान बनाये रखने का फ़ैसला किया है। शेष टीमों ने नेतृत्व में बदलाव किया क्योंकि सिकंदर रज़ा ने द चेन्नई ब्रेव्स की बागडोर चैरिथ असलंका को सौंप दी, जबकि नॉर्दर्न वॉरियर्स ने एंजेलो मैथ्यूज को कप्तान बनाया, और दिल्ली बुल्स ने रोवमैन पॉवेल को सीज़न के लिए कप्तान बनाया। टीम अबू धाबी ने ड्वेन प्रीटोरियस को टीम का नेतृत्व करने के लिए चुना, जबकि बांग्ला टाइगर्स ने कप्तान के रूप में बेनी हॉवेल को आश्चर्यजनक रूप से चुना। पूरन, जो पिछले सीज़न में 10 मैचों में 49.29 की औसत और 234.69 की स्ट्राइक रेट से 345 रन के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी थे, ने कहा कि वह इस सीज़न में ग्लेडियेटर्स के लिए रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीतना चाहते हैं।

पूरन ने कहा, 'पिछली बार यह मेरे लिए अच्छा सीज़न था और मैं न केवल कप्तान के रूप में बल्कि एक बल्लेबाज के रूप में भी टीम की सफलता में योगदान देकर खुश था। इस साल हमारा लक्ष्य ट्रॉफी बरकरार रखना है और हम उस तरह की क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे जो हम खेलना पसंद करते हैं। इस बार ग्लेडियेटर्स को रिकॉर्ड तीसरा खिताब दिलाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। मैं कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं जो टीम मुझसे चाहेगी।' वर्तमान में, ग्लेडियेटर्स और नॉर्दर्न वॉरियर्स ही दो टीमें हैं जिन्होंने दो खिताब जीते हैं। वॉरियर्स ने कप्तान के रूप में मैथ्यूज को एक मजबूत विकल्प चुना है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में श्रीलंका के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। मैथ्यूज ने कहा, ''यह एक रोमांचक प्रारूप है और प्रशंसक 7वें सीजन में हमारी तरफ से बड़ी चीजों की उम्मीद कर सकते हैं। मैं नॉर्दर्न वॉरियर्स का नेतृत्व करने के लिए विचार किए जाने के लिए आभारी हूं, एक ऐसी फ्रेंचाइजी जिसने पहले ही इस लीग में बड़ी सफलता हासिल की है। वॉरियर्स पहले ही दो ट्रॉफियां जीत चुका है और मैं ट्रॉफी को टीम में वापस लाना पसंद करूंगा ताकि हम सभी मिलकर इतिहास लिख सकें। मैथ्यूज ने कहा, यह एक रोमांचक प्रारूप है और प्रशंसक 7वें सीजन में हमारी तरफ से बड़ी चीजों की उम्मीद कर सकते हैं।'' इस बीच, स्ट्राइकर्स और मॉरिसविले ट्रॉफी पर अपना हाथ रखने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए एक बार फिर पोलार्ड और मोईन की प्रारूप के साथ जाने पहचाने माहौल का उपयोग करना चाहेंगे। पोलार्ड ने कहा कि वह इस सीजन में काम खत्म करना चाहते हैं। पोलार्ड ने कहा, ''हम पिछले सीजन में खिताब जीतने के बहुत करीब पहुँच गए थे, लेकिन फाइनल हमारे लिए एक सबक था। अब हम जानते हैं कि बड़े मैचों में किस स्वभाव की आवश्यकता होती है, और हम उस ज्ञान का उपयोग अपने लाभ के लिए करेंगे।

## सीनियर राष्ट्रीय पुरूष हॉकी : हरमनप्रीत के 2 गोल से पंजाब फाइनल में, मुकाबला हरियाणा से

**चेन्नई ।** एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 2 गोल की मदद से पंजाब ने कर्नाटक को 5.1 से हराकर 13वीं सीनियर पुरूष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हरमनप्रीत ने 39वें और 44वें मिनट में गोल दागे। मिडफील्डर शमशेर सिंह ने चौथे मिनट में पंजाब के लिए पहला गोल किया। सुखजीत सिंह ने 13वें और आकाशदीप सिंह ने 45वें मिनट में गोल किए। कर्नाटक के लिए एकमात्र गोल बी आभारन सुदेव ने 18वें मिनट में किया।

पंजाब का सामना फाइनल में हरियाणा से होगा जिसने शूटआउट में मेजबान तमिलनाडु को 4.2 से हराया। निर्धारित 60 मिनट के बाद स्कोर 1.1 से बराबर था। भारतीय फॉरवर्ड अभिषेक ने 41वें मिनट में गोल किया जबकि बी पी सोमन्ना ने बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में संजय, रजत, अभिषेक और जोगिंदर सिंह ने हरियाणा के लिये गोल किए जबकि गोलकीपर पवन ने अहम गोल बचाए।

## राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता : झारखंड के मृणाल और महाराष्ट्र के प्रथमेश पहुंचे फाइनल में

**अयोध्या।** भारतीय तीरंदाजी संघ और उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में 30वीं राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के तहत राजकीय इंटर कालेज के मैदान पर चल रही स्पर्धाओं में सोमवार को दिन भर कड़ा मुकाबला चला। आसमान में बादलों की आवाजाही और दोपहर बाद बारिश घिर जाने से तीरंदाजों के लिए लक्ष्य कठिन बनता चला गया। सोमवार की प्रतियोगिता में 43वीं सीनियर रिकर्व चैंपियनशिप के पुरुषों के मुकाबलों में आल इंडिया पुलिस कंट्रोल बोर्ड के तीरंदाज तुषार साइक और झारखंड के मृणाल चौहान फाइनल में पहुंच गए है। इन दोनों के बीच स्वर्ण पदक का मुकाबला होगा।

कांस्य पदक के लिए गोवा के अनिल वर्मा और एसएससीबी के बोम्मदेवरा धीरज मंगलवार को निशाना साधेंगे। पुरुषों की ही 19वीं सीनियर कंपाउंड राष्ट्रीय चैंपियनशिप की स्पर्धा में में महाराष्ट्र के प्रथमेश जावकर और आल इंडिया पुलिस कंट्रोल बोर्ड के रजत चौहान स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंच गए हैं। दिल्ली के अभिषेक वर्मा और दिल्ली के ही प्रियांश कांस्य पदक के लिए मुकाबला करेंगे।

रिकर्व तीरंदाजी के महिलाओं की स्पर्धा में हरियाणा की संगीता और रिद्धि स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंच गई हैं। कांस्य पदक के लिए राजस्थान की निक्की शर्मा और उत्तर प्रदेश की अमिषा चौरसिया के बीच मुकाबला होगा। महिलाओं की कंपाउंड तीरंदाजी चैंपियनशिप के अंतिम मुकाबले में महाराष्ट्र की तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी और उत्तर प्रदेश की साक्षी चौधरी ने जगह बना ली है। कांस्य पदक के लिए पंजाब की अवनीत कौर और मध्य प्रदेश की मुस्कान किरार के बीच मुकाबला होगा।

30वीं इंडियन सीनियर चैंपियनशिप के पुरुषों के मुकाबले के अंतिम चार में पंजाब के आजादवीर सिंह, उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल मुद्गल, राजस्थान के विकास यादव और हरियाणा के आशीष ने जगह बना ली है। महिलाओं के मुकाबले में अंतिम चार में मणिपुर की रोजिना सिंह, पंजाब के मनजोत कौर, टूटूमोनी खोरो और वांगखेम मलेश्वरी देवी पहुंच गई हैं।

## आईपीएल 2024: गुजरात टाइटंस के कप्तान नियुक्त हुए हार्दिक पांड्या

**नई दिल्ली।** हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या के गुजरात टाइटन्स (जीटी) से मुंबई इंडियंस में जाने के बाद जीटी ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अपना कप्तान नियुक्त किया है।

वर्ष 2022 में जीटी के पहले सीज़न में, हार्दिक की कप्तानी में टीम ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती, जबकि वे इस साल की शुरुआत में अपने दूसरे सीज़न में उपविजेता रहे थे। गुजरात टाइटन्स के एक बयान में कहा गया है, गिल एक ऐसी टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें अनुभव और युवा उत्साह का एक अद्वितीय संयोजन है, जो गुजरात टाइटन्स की पहचान रही है। गिल ने 33 पारियों में 47.34 की औसत से 1373 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और आठ अर्द्धशतक शामिल हैं। पिछला सीज़न सलामी बल्लेबाज के लिए यादगार था क्योंकि उन्होंने 17 मैचों में 59.33 की औसत से तीन शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 890 रन बनाए और उन्हें ऑरेंज कैप भी जीता था। गिल ने पिछले सीज़न में, मुंबई इंडियंस के खिलाफ 60 गेंदों में 129 रन बनाए, जो कि आईपीएल प्लेऑफ़ में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक है।

गिल ने कप्तान नियुक्त किये जाने पर कहा, 'मुझे गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर खुशी और गर्व है और इतनी अच्छी टीम का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। हमारे पास दो असाधारण सीज़न हैं और मैं क्रिकेट के हमारे रोमांचक ब्रांड के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं।'

## अल्टीमेट खो खो लीग का दूसरा संस्करण 24 दिसंबर से, ओडिशा करेगा मेजबानी

**नई दिल्ली।** अपने पहले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, अल्टीमेट खो खो एक बड़े और बेहतर दूसरे सीज़न के लिए वापसी के लिए तैयार है। ओडिशा के कटक में जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम इस साल 24 दिसंबर से लीग की मेजबानी करेगा। घोषणा को सार्वजनिक करते हुए, अल्टीमेट खो खो के सीईओ और लीग कमिश्नर तेनज़िंग नियोही ने टूर्नामेंट के पूर्ण समर्थन के लिए ओडिशा सरकार और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को धन्यवाद दिया। नियोही ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हम सीजन 2 के लिए उनके समर्थन के लिए ओडिशा सरकार और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उद्घाटन संस्करण की शानदार सफलता ने खेलों की महत्वपूर्ण रुचि को आकर्षित किया है और हमें नए साझेदारों को सुरक्षित करने में मदद की है।'

नियोही ने कहा कि दूसरे सीज़न का फोकस नए ज़माने के सुपरस्टार बनाना और युवा प्रतिभाओं को उजागर करना है।

नियोही ने कहा, 'हमारा ध्यान उन साझेदारों को चुनने पर रहता है जो हमारी दीर्घकालिक दृष्टि को साझा करते हैं। सीज़न 2 का लक्ष्य भविष्य के नए ज़माने के सुपरस्टार तैयार करना है, खासकर मैदान पर युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी के साथ।' अल्टीमेट खो खो का उद्घाटन सत्र, जिसमें छह टीमें शामिल थीं, 14 अगस्त 14 से 4 सितंबर तक पुणे, महाराष्ट्र में श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया था। ओडिशा जगरनॉट्स शिखर मुकाबले में 46-45 के स्कोर के साथ तेलुगु योद्धा को हराकर उद्घाटन संस्करण का खिताब जीता था। लगभग 41 मिलियन दर्शकों की संख्या के साथ, अल्टीमेट खो खो, उस समय तीसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला गैर-क्रिकेट टूर्नामेंट बन गया था। ओडिशा जगरनॉट्स अल्टीमेट खो खो के 2023 संस्करण में अपने ताज की रक्षा के लिए लौटेंगे। वे ग्रुप-स्टेज के तीन गेम हारने के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर रहे लेकिन फाइनल में सबसे कम अंतर से जीत हासिल की। इस साल, वे जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में मौजूद घरेलू दर्शकों का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहेंगे। टीम में पिछले साल के उपविजेता तेलुगु योद्धा और चार अन्य टीमें चेन्नई क्विक गन्स, गुजरात जायंट्स, मुंबई प्लेयर्स द और राजस्थान वॉरियर्स शामिल होंगी । टूर्नामेंट के दूसरे सीज़न में भारत के शीर्ष 145 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें 16 से 18 वर्ष की आयु के 33 युवा शामिल हैं। सीज़न 1 के समान राउंड-रॉबिन और नॉकआउट प्रारूप में दूसरा सीज़न भी खेला जाएगा। फिक्स्चर की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

ACTION INDIA

# एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 29 नवंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

## फास्ट न्यूज

### पंजाब में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ, बीएसएफ ने फायरिंग कर खदेड़ा

**चंडीगढ़ :** बीएसएफ ने पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ करने वाले ड्रोन पर फायरिंग करके उसे वापस खदेड़ दिया। बीएसएफ ने बाद में एहतियातन सर्च ऑपरेशन चलाया है। बीएसएफ के अनुसार सोमवार की रात गुरदासपुर सेक्टर के अंतर्गत बीओपी साधांवाली पर तैनात 27 बटालियन टीम ने एक ड्रोन भारतीय सीमा में देखा, जिसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग कर दी इसके बाद ड्रोन की आवाज आनी बंद हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ड्रोन या तो पाकिस्तानी सीमा में लौट गया या फिर कहीं भारतीय सीमा में ढेर हो गया। इसी आधार पर बीएसएफ ने मंगलवार की सुबह सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन भी चलाया। समाचार लिखे जाने तक बीएसएफ को ड्रोन नहीं मिला था। बीएसएफ ने बीते 15 दिनों के भीतर भारतीय सीमा में दाखिल होने वाले 13 पाकिस्तानी ड्रोन पकड़े हैं।

### ड्रग माफिया ललित पाटिल मामले में पुणे के ससून अस्पताल का कर्मचारी गिरफ्तार

**मुंबई :** पुणे पुलिस की टीम ने ड्रग माफिया ललित पाटिल मामले में ससून अस्पताल के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। ससून अस्पताल के कर्मचारी महेंद्र शेवटे पर ललित पाटिल को अस्पताल से फरार होने में मदद करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार ड्रग माफिया ललित पाटिल ससून अस्पताल में इलाज के दौरान फरार हो गया था। इसके बाद मुंबई पुलिस की टीम ने ललित पाटिल को चेन्नई के होटल से गिरफ्तार किया। गहन छानबीन के बाद बड़ा ड्रग सिंडिकेट सामने आया है। पुलिस का कहना है कि महेंद्र शेवटे ड्रग माफिया ललित पाटिल का खास था और वह उसका ड्रग सिंडिकेट संभालता था। फिलहाल पुलिस महेंद्र शेवटे से गहन पूछताछ कर रही है। इस मामले में ससून अस्पताल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है।

### कोख में ही 900 बच्चों को मारने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

**बंगलूरू :** तीन साल में 900 अवैध गर्भपात करने के आरोप में बंगलूरू पुलिस ने एक डॉक्टर और उसके लैब तकनीशियन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान डॉ. चंदन बल्लाल और लैब तकनीशियन निसार के रूप में हुई है। दोनों ने प्रत्येक गर्भपात के लिए करीब 30 हजार रुपये लिए। अस्पताल की मैनेजर मीना और रिसेप्शनिस्ट रिजमा खान को इस महीने की शुरूआत में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने पिछले महीने लिंग-निर्धारण और कन्या भ्रूण हत्या रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों शिवालिंगे गौड़ा और नयन कुमार को मैसूर के पास मांड्या में गिरफ्तार किया था, जब वे एक गर्भवती महिला को कार में गर्भपात के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि इस रैकेट की शुरूआत चेन्नई के एक डॉ. तुलसीराम ने की थी, जिसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि मांड्या में एक गुड़ बनाने की फैक्ट्री में वे अल्ट्रासाउंड करते थे। यहां से बाद में पुलिस टीम ने स्कैन मशीन जब्त कर ली।

# 'योगी फॉर्मूले' से जातिगत जनगणना दांव को ध्वस्त करेगी भाजपा

**राहुल गांधी, नीतीश कुमार, अखिलेश यादव और स्टालिन रोज इस मुद्दे को नए-नए तरीके से धार दे रहे**

**रणनीति**

**8 आर्थिक-सामाजिक तौर पर पिछड़ी कुछ अन्य नई जातियों को भी इन वर्गों में शामिल करने की रणनीति अपनाई थी।**

**टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ**

**जातिगत** जनगणना और जातिगत आरक्षण का दांव चलकर विपक्ष भाजपा को लोकसभा चुनाव 2024 में घेरने की रणनीति बना चुका है। राहुल गांधी, नीतीश कुमार, अखिलेश यादव और स्टालिन रोज इस मुद्दे को नए-नए तरीके से धार दे रहे हैं। भाजपा योगी फॉर्मूले के सहारे विपक्ष के इस हमले को ध्वस्त करने की तैयारी कर रही है। इसके अंतर्गत जिन ओबीसी-दलित जातियों को अब तक आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें प्राथमिकता के साथ उन्हीं वर्गों की उपश्रेणी में आरक्षण दिलवाना और नई जातियों को भी ओबीसी-दलित जातियों में शामिल करना शामिल है।

**इसके साथ ही संगठन से लेकर सरकार तक में ओबीसी-**दलित जातियों की भागीदारी को और अधिक मजबूत बनाकर उनका सामाजिक सशक्तीकरण करके उन्हें अपने साथ जोड़ने का फॉर्मूला अपनाया जा सकता है। भाजपा ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभार्थी वर्ग बनाकर भी इन वर्गों को अपने से जोड़ने की कोशिश की है। लोकसभा चुनाव के पहले इस रणनीति को और अधिक धार दी जा सकती है।

इसके पूर्व योगी आदित्यनाथ सरकार ने इन्हीं वर्गों की उपश्रेणियों का निर्माण कर इन्हें आरक्षण का अधिक लाभ देने की रणनीति अपनाई थी, जिसका विपक्षी दलों की ओर से विरोध हुआ था। योगी आदित्यनाथ सरकार ने आर्थिक-सामाजिक तौर पर पिछड़ी कुछ अन्य नई जातियों को भी इन वर्गों में शामिल करने की रणनीति अपनाई थी। यह मामला अदालत की चौखट तक जा पहुंचा था। लेकिन नए संदर्भों में इस कोशिश को एक बार फिर मजबूती से आजमाया जा सकता है।

**जातिगत जनगणना का दांव खेलने के लिए क्यों मजबूर हुआ विपक्ष:** उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने केंद्र सरकार ने 2014 से ही कल्याणकारी योजनाओं की राजनीति की। नरेंद्र मोदी सरकार ने विभिन्न योजनाओं के सहारे हर वर्ग के गरीब वर्गों का कल्याण किया। इससे हर जाति-वर्ग के गरीब भाजपा के साथ जुड़े। विपक्षी दलों ने देख लिया कि यदि इस तरह की गरीब हितैषी राजनीति होती रही, तो उनकी जाति आधारित राजनीति हमेशा-हमेशा के लिए समाप्त हो जायेगी। यही कारण है कि अब नए तरीकों से ओबीसी-दलित वर्गों को बरगलाने की कोशिश की जा रही है।

राकेश त्रिपाठी ने कहा कि लेकिन जातिवाद के नाम पर केवल राजनीति कर इन दलों ने अपने चंद परिवारों का भला करने का काम किया है और यह बात जनता ने देख ली है। जनता यह समझ रही है और यही कारण है कि अब अखिलेश यादव जैसे लोगों की जाति के नाम पर समाज को तोड़ने की कोई कोशिश सफल नहीं होगी।

## खेल की गतिविधियों ने पकड़ी नयी रफ्तार: योगी

**टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बीबीडी बैडमिंटन अकादमी पहुंचकर सैय्यद मोदी बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर नये भारत में खेल की गतिविधियों ने नयी रफ्तार पकड़ी है। पूरे देश के अंदर इसके परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं। पहली बार एशिएन गेम्स में हमारे खिलाड़ियों ने सौ का आंकड़ा पार किया है। पैरा ओलम्पिक खेल में भी हमारे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। योगी ने कहा कि एशियन गेम्स में 25 प्रतिशत मेडल उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते हैं। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को एक नया मंच प्रदान कर रहा है। खेल और खेल कूद की गतिविधियों के प्रति केन्द्र व राज्य सरकार का सकारात्मक रूख है और खिलाड़ियों का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैडमिंटन एक अच्छा खेल है। उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा। उत्तर प्रदेश में इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए मैं उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ और आयोजकों को हृदय से बधाई देता हूं। योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध बैड मिंटन खिलाड़ी बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में जो आठ बार बैंडमिंटन के राष्ट्रीय चैम्पियन और राष्ट्रमण्डल खेलों के स्वर्ण विजेता रहे हैं। उनकी स्मृति में 1991 से उत्तर प्रदेश में इसकी शुरूआत हुई। 2004 में इस चैम्पियनशिप को राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने अखिलेश दास गुप्ता ने उत्तर प्रदेश में बैडमिंटन का एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र बनाकर इसकी शुरूआत की।

10 एकड़ क्षेत्र में फैला यह केन्द्र उत्तर प्रदेश में बैडमिंटन के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का एक केन्द्र बना है। इसके लिए मैं अखिलेश दास को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उत्तर प्रदेश बैड मिंटन संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

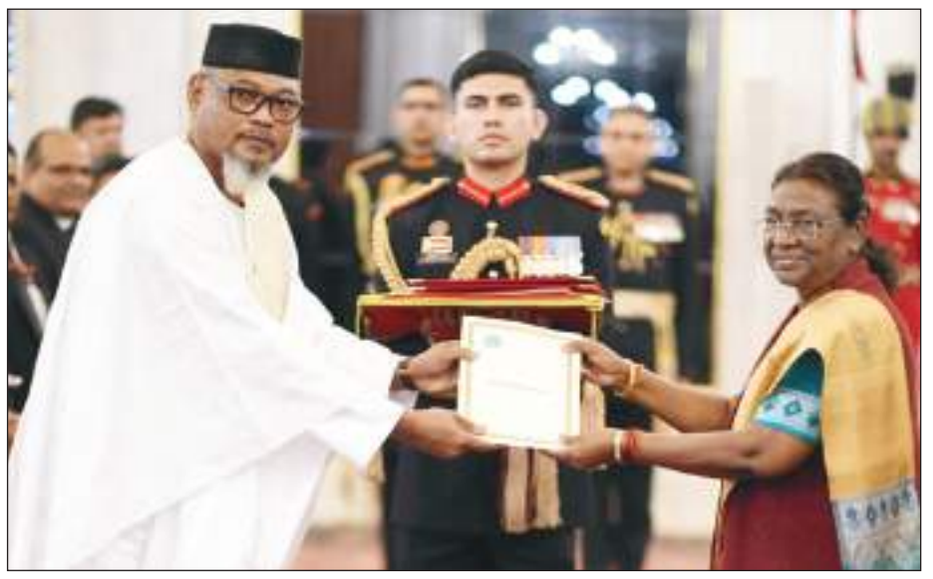

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में आयरलैंड, बोस्निया और हजेगीविना, आर्मेनिया, मलेशिया, माली और मार्शल द्वीप समूह के राजदूत व उच्चायुक्त का परिचय पत्र स्वीकार किया।

## मोतिहारी पुलिस ने कर्मचारी लूट कांड का किया खुलासा

**टीम एक्शन इंडिया/पूर्वी चंपारण**

**पुलिस** ने जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में गत दिनो केसरिया प्रखंड के कर्मचारी को गोली मारकर लूट की घटना को अंजाम देने खुलासा कर लिया है। साथ ही इसमे संलिप्त 05 अपराधी व विधि विवादित किशोर को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि कुछ अपराधी लूट की योजना बना रहे है। जिसके आलोक में अग्रेतर कार्रवाई के लिए चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में एसएचओ कल्याणपुर जितेन्द्र कुमार,जिला आसूचना ईकाई के पदाधिकारी,कल्याणपुर थाना के हवलदार जुगेश्वर राय, दिनकर, गुड्डू एवं लक्ष्मण राय की एक टीम गठित की गयी।

## स्मृति ने संक्रामक रोगों को मात देने वाले लोगों का जाना हाल

**टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीबी को वर्ष 2025 तक देश से समाप्त करने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने उत्तर प्रदेश के संक्रामक रोगों को मात देने वाले तीन चैंपियन को नई दिल्ली बुलाकर उनसे वार्ता की। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सबसे पहले लखनऊ के बक्शी का तालाब क्षेत्र निवासी सीमा सिंह से मुलाकात की। उनसे पूछा कि फाइलेरिया की पहचान कैसे हुई? क्या कष्ट झेलने पड़े कैसे बीमारी से पार पाईं? सरकार से क्या मदद मिली आदि। केंद्रीय मंत्री ने यह भी पूछा कि फाइलेरिया होने के बाद उन्हें क्या समस्या हुई तो सीमा ने बताया कि पैरों में इतनी सूजन आ गई थी कि चलना दुश्वार था। इसी कारण नौकरी भी छूट गई। दैनिक काम भी बड़ी मुश्किल से कर पाती थीं लेकिन जबसे स्वास्थ्य विभाग से रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम (एमएमडीपी) की ट्रेनिंग मिली है, तब से अपनी देखभाल अच्छे से कर पा रही हूं। मुझे सूजन में कमी आई है। दर्द और अटैक से राहत मिली है। सीमा के मुताबिक केंद्रीय मंत्री बातचीत में बहुत सहज थीं। उनसे बात करके आगे बेहतर करने की प्रेरणा मिली है। इसी क्रम में स्मृति ईरानी ने देवरिया की कालाजार चैंपियन पिंकी चौहान से बात की। बनकटा क्षेत्र की रहने वाली पिंकी ने कालाजार को शिकस्त दी है।

**मुलाकात**

**8 स्मृति ईरानी ने सबसे पहले लखनऊ के बक्शी का तालाब क्षेत्र निवासी सीमा सिंह से मुलाकात की**

## नई बीमारी को लेकर राजस्थान के चिकित्सा संस्थानों में अलर्ट

**टीम एक्शन इंडिया/जयपुर**

**कोरोना** वायरस के बाद पड़ोसी देश चीन से उठी एक और बीमारी ने दुनिया को अलर्ट कर दिया है। इस बार भी बीमारी की उत्पत्ति चीन से ही मानी जा रही है। इस नई बीमारी को लेकर भारत में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर आ गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अलर्ट पर राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग ने चीन में बढ़ रहे निमोनिया के मामलों के मद्देनजर निगरानी बढ़ाने के लिए राज्य के सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए परामर्श जारी किया है। निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक ने राजस्थान के सभी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य और प्रमुख चिकित्सा अधिकारी और समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारियों तथा निजी अस्पतालों को प्रभावी निगरानी करने के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार पिछले कई सप्ताह से चीन में बड़ी संख्या में बच्चे श्वसन रोग से पीड़ित हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इन बच्चों में इन्फ्लूएन्जा, माइक्रोप्लाजमा न्यूमोनिया एवं सॉर्सकोव-2 आदि सामान्य कारणों से हो सकता है। भारत सरकार के संदर्भ पत्र से अवगत कराया गया कि अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां चिंताजनक स्थिति नहीं है, लेकिन निगरानी तंत्र को सुचारू रखा जाना चाहिए। जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) सरकारी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि राजस्थान में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं।

**लक्षण**

**8 बच्चों में इन्फ्लूएन्जा, माइक्रोप्लाजमा न्यूमोनिया एवं सॉर्सकोव-2 आदि सामान्य कारणों से हो सकता है**

## बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

**टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरु**

बेंगलुरु में हुआ बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने मंगलवार को कहा कि शहर में सात लोगों की गिरफ्तारी के साथ बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें डॉक्टरों की संलिप्तता का भी संदेह है। एक 20 दिन के बच्चे को तब बचाया गया जब गिरोह को यहां राजराजेश्वरी नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सुहासिनी, गोमती, कन्नन रामास्वामी, हेमलता, शरण्या, महालक्ष्मी और राधा के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजराजेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। गिरोह कथित तौर पर चोरी करने और फिर नवजात शिशुओं को निःसंतान दंपत्तियों को "उच्च कीमत" पर बेचने में शामिल था। बेंगलुरु में बेचे गए अधिकांश बच्चों को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु से लाए जाने का संदेह है।

### अमृतसर में खालिस्तानी नारे लिखे मिले, सिख फॉर जस्टिस ने ली जिम्मेदारी

**चंडीगढ़ :** अमृतसर में एयरपोर्ट रोड के खंभों और दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे पाए गए, जिसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने ली है। पन्नू ने एक बार फिर एयर इंडिया का बहिष्कार करने का ऐलान किया है।

मंगलवार सुबह अमृतसर में एयरपोर्ट रोड पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे पाए गए और इसकी जिम्मेदारी लेने का दावा करने वाला सिख फॉर जस्टिस प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

# कर्मियों की हड़ताल से सरकारी विभागों का काम ठप

**टीम एक्शन इंडिया/बेगूसराय**

**बिहार** राज्य डाटा इंट्री/कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के आह्वान पर बेल्ट्रॉन से बहाल कर्मियों के दो दिवसीय हड़ताल के कारण सभी कार्यालयों में कामकाज ठप हो गया है। पहले दिन कर्मियों ने समाहरणालय के दक्षिणी द्वार हड़ताली चौक धरना दिया। जिसमें प्रखंड एवं अंचल कार्यालय सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत सैकडों कर्मियों ने हिस्सा लिया। मौके पर जिला इकाई अध्यक्ष अमित जायसवाल एवं संघर्ष कोष अध्यक्ष निलेश झा ने बताया की दो दशक से चली आ रही पुरानी कुव्यवस्था आउटसोर्सिंग को राज्य सरकार जल्द से जल्द खत्म करके हम सभी को सीधे विभाग में

समायोजित करे। सरकार के दोहरी नीति का हम सभी पुरजोर विरोध करते हैं। हम प्रोन्नति, अनुकम्पा, ग्रेच्युटी, चिकित्सा अवकाश, अर्जित अवकाश, अवैतनिक अवकाश, क्षतिपूर्ति, विशेषावकाश, महंगाई भत्ता, वेतन पुनरीक्षण आदि लाभ से वंचित हैं। सरकार काम लेती है सरकारी कर्मी की तरह, लेकिन जब बात आती है अधिकार की तो मुंह फेर लेती है। हम अपनी वाजिब मांगों को लेकर ही आज हड़ताल पर बैठे हैं। हमारी मांग ऐसी है कि सरकार को हंसी खुशी पूरी कर देनी चाहिए।

जिला कोषाध्यक्ष संजय कुमार, सदस्य चन्दन कुमार एवं संयुक्त सचिव कुन्दन झा ने कहा कि सरकार की दोहरी नीति के हम पिछले दो दशकों से शिकार हो रहे हैं। सरकारी कार्यालयों में नियमित कर्मियों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर दो दशक से काम करते आ रहे हैं। लेकिन सरकार द्वारा हमारे लिए आज तक सेवा शर्त और नियमावली का गठन तक नहीं किया गया है, जिस कारण आज तक हमारी सेवा का कोई सुरक्षा नहीं है। सरकार को हमारे कार्य दक्षता और महत्ता को देखते हुए जल्द से जल्द सरकार को नियोजित कर्मचारी घोषित कर देना चाहिए। अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के सचिव मुरारी सिंह, चिकित्सा संघ के जिलामंत्री लव कुमार सिंह, संयुक्त मंत्री सुधीर गांधी एवं पेंशनर जिला मंत्री मथुरा ठाकुर ने भी धरनास्थल पर आकर मांग का समर्थन किया।